हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, मंगलवार, 22 जुलाई 2025

11 डीजे विवाद पर हिसार पुलिस के समर्थन में उतरे फतेहाबाद के...

12 डीएपी और यूरिया के नाम पर किसानों को लूटने वालों पर...

भोलेनाथ के भजनों पर आराधना करते दिखे श्रद्धालु

सावन के दूसरे सोमवार को शिवालयों पर गूंजे 'हर-हर महादेव' के जयकारे
रतिया, टोहाना और बरसीन के मंदिरों में जलाभिषेक के लिए उमड़ी भीड़

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

सावन के दूसरे सोमवार को आज फतेहाबाद में शिवालयों व मंदिरों में अलसुबह 4 बजे ही घंटे और घड़ियाल गूंज उठे। मंदिरों से दूर-दूर तक ओम नमः शिवाय, बम-बम भोले के जयकारों से वातावरण गूंजायमान हो गया। बाजार व चौराहों पर भी भोलेनाथ के भजनों पर शिव अराधना करते दिखे। यहां के श्याम मंदिर, रघुनाथ मंदिर, दुर्गा मंदिर, देवी मंदिर, हनुमान मंदिर, शिवालय मंदिर, गीता मंदिर सहित अनेक जगहों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। अलसुबह 4 बजे ही शिवालयों पर लोग जलाभिषेक के लिए पंचामृत, बेलपत्र, शहद, फल, दूध, दही और विभिन्न प्रकार के प्रसाद लेकर लाइनों में लग गए। श्याम मंदिर में पुजारी सोनू शर्मा व सूरज शर्मा ने विधि विधान से श्रद्धालुओं से जलाभिषेक करवाया। श्रद्धालुओं ने सावन के दूसरे सोमवार को व्रत रखा। पंडित सोनू शर्मा के अनुसार सावन की शिवरात्रि का दिन भगवान शिव और माता पार्वती के पुनर्मिलन का प्रतीक माना जाता है। यही कारण है कि इस दिन किया गया व्रत और पूजन वैवाहिक जीवन में प्रेम, सामंजस्य और सुख-शांति बनाए रखता है। यह व्रत विशेष रूप से कुंवारी कन्याओं और विवाहित महिलाओं के लिए फलदायक माना जाता है। इस दिन शिवलिंग पर जल, दूध, शहद, बेलपत्र, धतूरा और आक चढ़ाकर शिवजी को प्रसन्न किया जाता है। भक्तों का मानना है कि इस दिन शिव जी की सच्चे मन से की गई उपासना सारे पापों को नष्ट करती है और मोक्ष की प्राप्ति कराती है। पंडितों की मानें तो इस दिन शिवालयों पर काले तिल, लौंग व पीपल पर जलाभिषेक करने से परिवार में संकट व बीमारी टल जाती हैं।

जल, दूध, शहद चढ़ाकर भगवान शिव को किया प्रसन्न

फतेहाबाद। शिवलिंग पर जलाभिषेक करते श्रद्धालु। फोटो: हरिभूमि

कांवड़ियों का फतेहाबाद में हो रहा जोरदार स्वागत

23 जुलाई को सावन मास का महाशिवरात्रि पर्व जिलेभर में धूमधाम से मनाया जाएगा। शिवरात्रि पर जलाभिषेक के लिए हरिद्वार के गौमुख से कावड़ लेकर आए कांवड़िए यहां पहुंचना शुरू हो गए हैं। कांवड़ियों के स्वागत के लिए जहां पुलिस प्रशासन जुटा है वहीं आमजन भी उनकी सेवा में लंगर लगा रहा है। फतेहाबाद में प्रवेश करते ही गांव खाराखेड़ी, बड़ोपल, धांगड़ में जगह-जगह भंडारे लगाए गए हैं। फतेहाबाद के सभी मंदिरों में कांवडियों के ठहरने व जलाभिषेक की व्यवस्था की गई है।

जल चढ़ाकर लिया आशीर्वाद

टोहाना। सावन के पावन महीने में शिवरात्रि से पहले दूसरे सोमवार को श्रद्धालुओं की भीड़ मंदिरों में देखने को मिली। वही भाटिया नगर स्थित शिव मंदिर में किडिविगस प्ले स्कूल के बच्चों ने महादेव के पावन महीने सावन में शिव मंदिर जाकर जल चढ़ाया और महादेव का आशीर्वाद ग्रहण किया। इस दौरान बच्चों को अपने धर्म एवं संस्कृति से जोड़े रखने के लिए स्कूल में निरंतर मंदिर भ्रमण करवाए जाते रहते हैं। उसी श्रृंखला में स्कूल प्रिंसिपल हरमीत कौर ने शिव जी के इस पावन महीने में बच्चों को शिव मंदिर ले जाकर इस महीने के महत्व एवं शिव के गुणगान के बारे में बताया। जलाभिषेक एवं पुष्पांजलि से महादेव के नाम का गुणगान किया गया। बच्चों द्वारा ओम नमः शिवाय एवं हर हर महादेव से पूरा मंदिर गूंज उठा एवं माहौल भक्ति में हो गया। इस मौके पर स्टाफ भी मौजूद रहा।

खबर संक्षेप

डीसी-एसपी आज बनावाली में करेंगे रात्रि प्रवास

फतेहाबाद। हरियाणा सरकार के निर्देशों की अनुपालना में उपायुक्त मनदीप कौर व पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन जिला फतेहाबाद के उपमंडल फतेहाबाद के गांव बनावाली के राजकीय प्राथमिक विद्यालय में 22 जुलाई को सायं 5 बजे ग्रामीणों से संवाद करते हुए उनकी समस्याएं सुनेंगे। उसके उपरांत रात्रि प्रवास कार्यक्रम गांव बनावाली में किया जाएगा।

अधिकारी बोर्ड की मासिक बैठक 25 को

फतेहाबाद। प्रदेश सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं व जिला में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा तथा विभिन्न विभागों द्वारा भविष्य में करवाए जाने वाले विकास कार्यों की रूपरेखा तैयार करने के लिए उपायुक्त मनदीप कौर की अध्यक्षता में 25 जुलाई को सुबह 9.30 बजे लघु सचिवालय के सभागार में बैठक आयोजित की जाएगी।

डोडा पोस्त तस्करी में आरोपी गिरफ्तार

रतिया। थाना शहर रतिया पुलिस ने वार्ड नंबर 10, नहर कॉलोनी, रतिया से संबंधित डोडा पोस्त तस्करी के मामले में दूसरे आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अमित कुमार पुत्र राधे श्याम निवासी भिरड़ाना वर्तमान में वार्ड नंबर 15, रतिया के रूप में हुई है। इससे पूर्व सुनील कुमार पुत्र प्रीतम सिंह निवासी वार्ड नंबर 10, नहर कॉलोनी, को पहले ही इस मामले में गिरफ्तार किया जा चुका है।

पुलिस ने नशा सप्लायर को किया गिरफ्तार

रानियां। पुलिस ने नशा तस्कर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए सोमवार को नशा सप्लायर को जोधपुर के फलौदी क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी से करीब 5 हजार 8 सौ रुपये की नकदी व एक मोबाइल फोन भी बरामद किया है। रानियां थाना प्रभारी दिनेश कुमार ने बताया कि पुलिस ने गांव नकौड़ा क्षेत्र से दो युवकों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चूरापोस्त बरामद किया। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे यह चूरापोस्त जोधपुर के फलौदी गांव के श्रवण कुमार से खरीद कर लाए हैं जिस पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आज श्रवण कुमार को भी गिरफ्तार कर लिया है।

नशीली गोलियों सहित आरोपी गिरफ्तार

डबवाली। थाना शहर पुलिस ने मेडिकल नशा तस्करों पर कड़ा प्रहार करते हुए एक आरोपी को नशे में प्रयुक्त होने वाली 3350 गोलियों व कैप्सूल के साथ डबवाली से काबू किया है। आरोपी की पहचान राजिंद्र सिंह निवासी बठिंडा के रूप में हुई है। थाना प्रभारी अनिल कुमार ने बताया कि पुलिस टीम गश्त के दौरान शहर में मौजूद थी। इसी दौरान सूचना के आधार पर कार्रवाई की।

पीडब्ल्यूडी एसडीओ बोले: वैध क्रॉसिंग है, उन्होंने नहीं करवाई बंद

बिना अनुमति नेशनल हाईवे पर बनी क्रॉसिंग को ठेकेदार ने करवाया बंद

आज खुलवा देंगे क्रॉसिंग : सोनी

फतेहाबाद। रेस्ट हाऊस को जाने वाली बंद की गई क्रॉसिंग व रेस्ट हाऊस को सामने ठेकेदार द्वारा बंद करवाई जा रही क्रॉसिंग। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

शहर के बीचों-बीच से गुजर रहे नेशनल हाईवे 9 पर लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह के बिलकुल सामने पिछले 40 सालों से बनी क्रॉसिंग को नगरपरिषद के ठेकेदार ने किसी अधिकारी की बिना अनुमति के रविवार को बंद कर दिया। इस क्रॉसिंग पर बड़े-बड़े वीआईपी मंत्रियों और अधिकारियों का काफिला सीधा रेस्ट हाऊस में जाता था। इस क्रॉसिंग से आम पब्लिक को कोई दिक्कत भी नहीं थी। इस बारे लोक निर्माण विभाग के एसडीओ गजेन्द्र कुमार से बात की गई तो उन्होंने इस बात से साफ इंकार किया कि उन्होंने यह क्रॉसिंग बंद करवाई है। इसी तरह नगरपरिषद के ईओ ने भी इस तरह की जानकारी होने से इंकार किया। बाद में ईओ ने फोन पर बताया कि ठेकेदार ने गलती से यह क्रॉसिंग बंद कर दी है। नगरपरिषद का जेई मंगलवार को बंद की गई इस क्रॉसिंग को खुलवा देगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार फतेहाबाद में पुराने बस स्टैंड से लेकर नए बस स्टैण्ड तक नेशनल हाइवे पर काफी भीड़ रहती है। यहां हाईवे के बीचो-बीच डिवाइडर बनाया जा रहा है। बिना किसी प्लानिंग के बनाए जा रहे इस डिवाइडर पर ठेकेदार द्वारा अपनी मर्जी से ही क्रॉसिंग बनाए और बंद किए जा रहे हैं। पिछले दिनों शिवपुरी के सामने डिवाइडर पर खड़े किए गए पिल्लर से एक दुर्घटना हुई थी, जिसके बाद इन पिल्लरों को तोड़ दिया गया। अब रविवार को नगरपरिषद के ठेकेदार ने बिना किसी विभागीय अनुमति के रेस्ट हाऊस, बीडीपीओ ऑफिस के सामने और इण्डस्ट्रीयल एरिया की तरफ मुड़ने वाली क्रॉसिंग को बंद करवा दिया। बता दें कि रेस्ट हाऊस के सामने वाली क्रॉसिंग पिछले 40 सालों से बनी हुई है। इसी क्रॉसिंग के रास्ते से ही वीआईपी और बड़े-बड़े अफसरों व मंत्रियों का काफिला सीधे रेस्ट हाऊस को जाता है। अब क्रॉसिंग बंद होने से वीआईपी के काफिले को आगे से पंचायत भवन की क्रॉसिंग यू-टर्न लेना पड़ेगा और फिर वापस रेस्ट हाऊस में प्रवेश होगा। ऐउदाहरण के तौर पर सिरसा रोड से फतेहाबाद होते हुए कोई वीआईपी रेस्ट हाऊस जाता है तो उसे पहले पंचायत भवन जाना होगा और वहां से यू-टर्न लेकर वापस रेस्ट हाऊस आएगा।

अधिकारियों से की जाएगी बात : एसडीओ

रेस्ट हाऊस के सामने वाली क्रॉसिंग वैध है। इसे किसने बंद करवाया है, हमारी नॉलेज में नहीं है। हमारे से पूछा तक नहीं गया। मैं इसको लेकर नगरपरिषद अधिकारियों से बात करूंगा। **-गजेन्द्र कुमार**, एसडीओ, पीडबल्यूडी

क्या कहते है नप ईओ

मेरे को पता नहीं है, हमने इस क्रॉसिंग को बंद नहीं करवाया। कल-परसों मैंने देखा है कि क्रॉसिंग को बंद किया जा रहा था। अब हरिभूमि ने मामला उनके संज्ञान में लाया तो उन्होंने कंस्ट्रक्शन डिवीजन से इसको लेकर बात की। ठेकेदार ने गलती से क्रॉसिंग को बंद कर दिया। मैंने जेई की ड्यूटी लगा दी है। कल (मंगलवार) को क्रॉसिंग को खुलवा दिया जाएगा।

-राजेन्द्र सोनी, ईओ नगरपरिषद फतेहाबाद

फतेहाबाद। अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश देती उपायुक्त मनदीप कौर।

सीईटी : जिले में बनाए गए 38 परीक्षा केंद्र, एडीसी होंगे इंचार्ज

- मेडिकल इमरजेंसी की स्थिति में त्वरित सहायता के लिए एंबुलेंस की रहेगी व्यवस्था, ड्यूटी मैजिस्ट्रेट रहेंगे तैनात

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित करवाई जाने वाली कॉमन पात्रता परीक्षा (सीईटी) को लेकर डीसी ने आज अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में डीसी मनदीप कौर ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि परीक्षा से संबंधित सभी आवश्यक तैयारियों को पूरा करना सुनिश्चित करें। यह परीक्षा 26 व 27 जुलाई को जिला के विभिन्न केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। बैठक में उपायुक्त ने बताया कि जिले में कुल 31 लोकेशनों पर 38 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा के मद्देनजर अतिरिक्त उपायुक्त अनुराग ढालिया को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही सभी परीक्षा केंद्रों के साथ-साथ कानून व्यवस्था व अन्य व्यवस्थाओं के लिए ड्यूटी मैजिस्ट्रेट तैनात रहेंगे तथा अतिरिक्त सतर्कता के दृष्टिगत ड्यूटी मैजिस्ट्रेट रिजर्व भी रखे जाएंगे।

ट्रांसपोर्टेशन के लिए अलग-अलग अधिकारी संभालेंगे जिम्मेदारी

उपायुक्त ने परीक्षा के दौरान मेडिकल इमरजेंसी की स्थिति में त्वरित सहायता हेतु एंबुलेंस की व्यवस्था करने बारे स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए गए। साथ ही ट्रांसपोर्टेशन संबंधी प्रबंधों के लिए भी अलग-अलग अधिकारी जिम्मेदारी संभालेंगे। उपायुक्त ने यह भी स्पष्ट किया कि परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की अनुचित गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उपायुक्त ने सभी परीक्षार्थियों से आह्वान किया कि वे परीक्षा केंद्र पर निर्धारित समय से पूर्व पहुंचे और दिए गए दिशा-निर्देशों का पालन करें।

बिजली समस्याओं को लेकर दिया धरना

- पगड़ी संभाल जट्टा किसान संघर्ष समिति के नेतृत्व किसानों से जताया रोष

हरिभूमि न्यूज ⏭ भूना

भूना। बिजली समस्याओं को लेकर धरना देकर विरोध करते हुए किसान।

बिजली समस्याओं को लेकर पगड़ी संभाल जट्टा किसान संघर्ष समिति के नेतृत्व में भूना ब्लॉक के कई गांवों के किसानों ने सोमवार को बिजली घर पर एक दिन का धरना दिया। धरने का नेतृत्व जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश मंडा ने किया। अध्यक्षता ब्लॉक प्रधान कमल सिंह ने की। मंच संचालन महेंद्र सिंह बेनीवाल ने किया। धरने के दौरान किसानों ने बिजली निगम टोहाना के कार्यकारी अभियंता कृष्ण कुमार और उपमंडल अधिकारी विजय कुमार से बातचीत की। ओमप्रकाश मंडा ने अधिकारियों को बताया कि पिछले दो महीनों से अलग-अलग गांवों की बिजली समस्याओं को लेकर संगठन कई बार अल्टीमेटम दे चुका है। इसके बावजूद किसी गांव में समाधान नहीं हुआ। इसी कारण सैकड़ों किसानों को बिजली घर पर धरना देना पड़ा। किसानों ने बिजली अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी की। नायब तहसीलदार सोमेश विशिष्ठ मौके पर पहुंचे। उन्होंने किसानों की समस्याओं से संबंधित मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन लिया।

डाक कांवड़ के लिए भक्तों का जत्था रवाना

सिरसा। हरिद्वार से डाक कांवड़ लाने के लिए श्रद्धालुओं का जत्था सोमवार को रवाना हुआ। जत्थे में विशंभर कालड़ा, संजय आहुजा सहित अन्य श्रद्धालु शामिल रहे। विशंभर कालड़ा ने बताया कि वे प्रतिवर्ष हरिद्वार से पवित्र गंगाजल लेकर महाशिवरात्रि के दिन वापस आते हैं और शिवरात्रि के दिन समस्त शहरवासी शिवलिंग पर जलाभिषेक कर इस धार्मिक त्योंहार को पूर्ण श्रद्धा से मनाते हैं। वहीं श्रद्धालु संजय आहूजा ने बताया कि वह पहली बार हरिद्वार से डाक कावड़ लाने के लिए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि वे डाक कांवड़ श्री दुर्गा कीर्तन मंदिर रानियां में ल

गली के बीच कार खड़ी कर खरीदारी करने गया चालक, लगा जाम

- ट्रैफिक पुलिस ने कार चालक का किया नो पार्किंग का चालान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रतिया

रतिया। गली के बीच में खड़ी गाड़ी के कारण फंसी ट्रैफिक पुलिस की गाड़ी।

शहर के मेन बाजार से लेकर टोहाना रोड को जाने वाली प्रमुख गली में आज एक कर चालक गली के बीच में गाड़ी खड़ी करके खरीदारी करने चला गया, जिससे आने जाने वाले का रास्ता अवरुद्ध हो गया। इसी दौरान जब ट्रैफिक पुलिस इंचार्ज की गाड़ी वहां से गली में से गुजर रही थी तो रास्ता बंद होने के कारण ट्रैफिक पुलिस के इंचार्ज की गाड़ी भी गली में फंस गई। इसके बाद टीम काफी देर तक वहां गाड़ी चालक का इंतजार करती रही, बाद में ट्रैफिक पुलिस के कर्मचारी गाड़ी के मालिक को ढूंढ कर लेकर आए और कर चालक का नो पार्किंग चालान किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार गली के बीच में आज एक कार चालक गली के बीच में अपनी कार खड़ी करके चला गया। इस कारण गली में से गुजरने वाला ट्रैफिक काफी प्रभावित हुआ और जाम लग गया।

परिवहन विभाग के गलत रूट पर बस चलाने की शिकायत, जीएम को दिए जांच के निर्देश

फतेहाबाद। एडीसी अनुराग ढालिया ने सोमवार को लघु सचिवालय के सभागार में अधिकारियों के साथ समाधान शिविर में आई शिकायतों को सुना और उनके निवारण के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। एडीसी ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी विभागाध्यक्ष शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के लिए नियमित निगरानी और त्वरित कार्रवाई करें और शिकायतों की समाधान बारे अपडेट रिपोर्ट समाधान प्रकोष्ठ पोर्टल पर अपडेट करें। उन्होंने सभी विभागाध्यक्षों को निर्देश दिए कि समाधान शिविर की जिस विभाग में शिकायतें लंबित हैं उनका तुरंत समाधान करते हुए रिपोर्ट भिजवाई जाए। उन्होंने कहा कि यदि कोई शिकायत की एटीआर सब्मिट नहीं हुई है, इसके लिए सीटीएम से मिलकर इसे सब्मिट करवाएं। समाधान शिविर में गोरखपुर निवासी हिमांशु की अंकतालिका में माता-पिता का नाम ठीक करवाने की शिकायत पर एडीसी ने जिला शिक्षा अधिकारी को आवश्यक दस्तावेजों की जांच कर नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

बरसात और सेम का कहर: करीब दो हजार एकड़ फसल खराब

चोपटा के सेमग्रस्त गांवों में जलभराव से फसल बर्बाद

- किसानों ने सरकार से आर्थिक मदद की लगाई गुहार

हरिभूमि न्यूज ⏭ चोपटा

सिरसा। सेमग्रस्म क्षेत्र में जलभराव से नरमा की फसल पर ट्रैक्टर चलाते किसान।

नाथूसरी चोपटा खंड के सेम से प्रभावित सात गांवों की करीब दो हजार एकड़ नरमा, ग्वार, मुंगफली की फसलों में बरसाती व सेम का पानी भरने से किसानों को नरमे की फसल को जोतने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। बारिश के कारण नरमे की फसल सहित दूसरी फसलों को भी बेहद नुकसान हुआ है। किसानों ने सरकार से आर्थिक मदद की गुहार लगाई है। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों हुई बारिश के कारण चोपटा ब्लॉक के सात गांवों में नरमे तथा अन्य फसलों में पानी भरा था। जिसमें गांव रुपाणा गंजा में 400 एकड़, रुपाणा बिश्नोईयां में 300 एकड़, शक्कर मंदौरी 500 एकड, शाहपुरिया के 150 एकड, नहाराणा 150 एकड़, तरकावाली 100 एकड़, चाहरवाला में करीब 50 एकड़ के लगभग नरमा फसल बारिश के कारण पानी में डूब गई।

7 एकड़ नरमें की फसल पर चलाया ट्रैक्टर

गांव शक्कर मंदोरी निवासी किसान अशोक कुमार कासनियां ने सोमवार को बताया कि उसने 7 एकड़ नरमा की फसल पर ट्रैक्टर चलाया है। उसने बताया कि उसने 7 एकड़ जमीन नरमे की बिजाई की थी। बारिश का पानी भरने के कारण पूरा नरमा सूखने लग गया है। इसके साथ ही मोटरें लगाकर निकाला जा रहा है, लेकिन पानी खड़ा रहने के कारण नरमा सूखने लग गया है।

सेमनाले के टूटने का खतरा लगातार बना हुआ

किसानों ने बताया कि बारिश और खेतों में खडा पानी किसानों द्वारा सेमनाले में छोड़ा जा रहा है। जिससे गांव शक्कर मंदोरी, शाहपुरिया, तरकांवाली के निकट से गुजरने वाले सेमनाले में पानी का बहाव ज्यादा होने के कारण सेमनाले का किनारा टूटने का खतरा बना हुआ है। अगर ये सेमनाला टूटता है तो आसपास के गांव की हजारों एकड फसल पानी में डूबने से बर्बाद हो जाएगी। किसानों ने आरोप लगाया गया है कि विभागीय अधिकारियों ने बारिश के मौसम को देखते हुए सेमनाले की सफाई नहीं करवाई।

हरियाली तीज स्त्रीत्व का उत्सव

सावन के महीने में मनाए जाने वाले हरियाली तीज पर्व का धार्मिक-सांस्कृतिक महत्व तो है ही, इसे स्त्रीत्व का उत्सव भी माना जाता है। इससे जुड़े रीति-रिवाजों और परंपराओं में परिवार और रिश्तों की मंगलकामनाएं भी निहित होती हैं। इसीलिए आज के दौर में भी इस पर्व की प्रासंगिकता कम नहीं हुई है।

पर्व
यशोधरा भटनागर

हरियाली तीज आते ही बीती यादें आंखों के सामने नाचने लगती हैं। कितने दिन पहले से मां तीज की तैयारी में लग जाती थीं। मनिहारिन काकी चूड़ी, टिकुली, मेहंदी, महावर का टोकरा सिर पर रखे आंगन में जम जातीं। दादी, चाची, हम सब उनके आस-पास बैठ जाते। हमारी आंखें काकी के टोकरे को स्कैन कर लेने में कोई कसर नहीं छोड़तीं। सावन के सेहरों संग उत्सव के हरे, लाल, पीले खुशियों के रंग चारों ओर बिखर जाते। दादी बताती थीं कि सावन का महीना शिव पूजा का पवित्र माह है। शिव जी के प्रिय श्रावण मास में सबसे ज्यादा वर्षा होती है। अधिक वर्षा शिवजी के विष से गर्म शरीर को ठंडक प्रदान करती है। भारतीय लोकजीवन में सावन प्रेम, सौंदर्य और श्रद्धा का माह है। इस माह में आया हरियाली तीज का पर्व, भारतीय स्त्री के जीवन, उसकी संवेदनाएं और उसके संकल्पों का सुंदर भावनात्मक प्रस्तुतीकरण है।

तीज का मूलार्थ और स्वरूप

'तीज' शब्द संस्कृत के 'तृतीया' से लिया गया है, जिसका अर्थ है हिंदू पंचांग की शुक्ल या कृष्ण पक्ष की तीसरी तिथि। सावन माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया को 'श्रावण तीज' या 'हरियाली तीज' कहा जाता है। मुख्य रूप से यह पर्व उत्तर भारत में राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, हरियाणा आदि राज्यों में महिलाओं द्वारा श्रद्धा, प्रेम और उल्लास के साथ मनाया जाने वाला पर्व है। मान्यता है, देवी पार्वती ने शिव जी को पति के रूप में पाने के लिए कठोर तपस्या की थी। देवी पार्वती ने सावन में मृतिका से शिवलिंग का निर्माण करके भक्ति भाव से शिवजी का पूजन किया और तपस्या में लीन हो गईं। उनकी तपस्या से अंत में प्रसन्न होकर हरियाली तीज पर भगवान शिव प्रकट हुए और देवी पार्वती को वरदान दिया कि तुम मेरी अर्धांगिनी बनोगी। इस प्रकार भोलेनाथ सावन माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को विवाह के लिए तैयार हुए थे। इसीलिए हर साल हरियाली तीज के दिन कुंवारी लड़कियां मनचाहे वर के लिए और विवाहित स्त्रियां पति की लंबी आयु के लिए यह व्रत करती हैं।

तीज का सामजिक-सांस्कृतिक और भावनात्मक पक्ष

सावन की तीज नारी जीवन के उस पहलू को सजीव करती है, जहां वह एक उपासिका, एक सृजनशील शक्ति और एक भावनात्मक केंद्र बन जाती है। विवाहित स्त्रियां अपने पति की दीर्घायु और सुखमय जीवन के लिए व्रत रखती हैं। यह उपवास केवल दैविक आस्था नहीं, बल्कि एक मानसिक और आत्मिक शक्ति का प्रदर्शन भी है। मायके और ससुराल के बीच भावनाओं का पुल बनती है तीज। विवाहित बेटियों को मायके बुलाया जाता है। गोटा लगी हरी-लाल लहरिया लहराती साड़ी में सजी बहू-बेटियों के हाथों में मेहंदी, कलाई में चूड़ियां, पांवों में महावर, बिछिए, पायल के स्वर पूरे माहौल को झंकृत करते आशीष देते हैं। गीतों, हंसी, झूलों और श्रृंगार से सजी यह बेला उन्हें अपने स्त्रीत्व का उत्सव मनाने का अवसर देती है। तीज जैसे पर्व भारतीय स्त्री को मानसिक और सामाजिक रूप से सशक्त करते हैं। सहेलियों, बहनों, पड़ोसियों के साथ त्योहार मनाने से आपसी संबंध मजबूत होते हैं।

व्रत, पूजा और अनुष्ठान

तीज के दिन महिलाएं सूर्योदय से पूर्व स्नान कर सुंदर-स्वच्छ वस्त्र धारण करती हैं। व्रत रखती हैं और दिनभर शिव-पार्वती की पूजा करती हैं। शिव-पार्वती की कथा से उन्हें प्रेम, समर्पण और आत्मबल का आदर्श मिलता है। सौभाग्यवती स्त्रियां सोलह श्रृंगार, मेहंदी, चूड़ियां, बिंदिया, पायल, साड़ी आदि में सजकर देवी पार्वती की भांति स्वयं को नववधु के रूप में अलंकृत करती हैं। तीज के पारंपरिक लोकगीतों के साथ यह व्रत संपन्न होता है।

झूले, गीत और नारी की अभिव्यक्ति

सावन और तीज के गीत भारतीय स्त्रियों की भावनाओं, पीड़ा, प्रतीक्षा, प्रेम और सामाजिक स्थिति के स्वरों को पिरोते हैं। 'कजरियां', 'सावन के झूले', 'मायके बुलावे' जैसे गीत न केवल मनोरंजन के साधन हैं, बल्कि स्त्री के भीतर छिपे भावलोक की सुंदर झलक भी हैं।

आधुनिक संदर्भ में तीज

समय के साथ तीज का स्वरूप बदला है, पर इसका आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व आज भी उतना ही प्रासंगिक है। आज की नारी भी इस पर्व को केवल रीति नहीं, एक उत्सव के रूप में मनाती है, जहां वह अपने अस्तित्व, विश्वास और संबंधों को फिर से सजीव कर आनंदित होती है। सावन की तीज केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, यह भारतीय स्त्री के आंतरिक सौंदर्य, उसकी सहनशीलता, उसकी आस्था और उसके आत्मबल का प्रतीक है। यह पर्व उसे अपनी जड़ों से जोड़ता है, प्रकृति के साथ उसका संवाद कराता है। हरियाली तीज नारी का उत्सव है। उत्सव है भावों का, विश्वास का और उसकी अपनी पहचान का। ❁

हाथों पर रचवाएं आकर्षक मेहंदी

हरियाली तीज पर आप ट्रेडिशनल ड्रेसअप, मेकअप और ज्वेलरी कैरी करने के साथ हाथों पर मेहंदी भी जरूर लगवाएंगी। हम आपको यहां बता रहे हैं कि किस तरह के मेहंदी डिजाइन इन दिनों ट्रेंड हैं, जिन्हें आप रचवा सकती हैं।

श्रृंगार
निधि गोयल

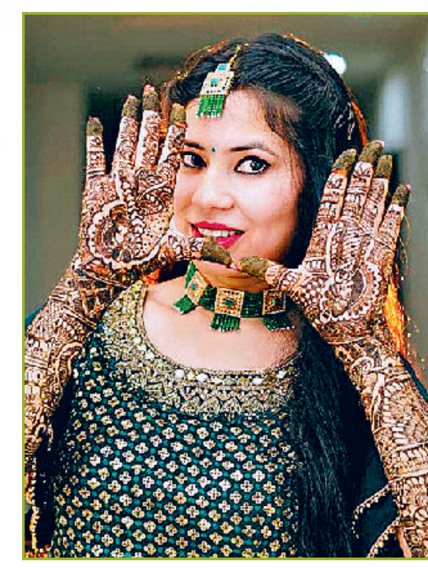

तीज का त्योहार विवाहित महिलाओं के लिए बहुत मायने रखता है। ऐसे में महिलाएं सोलह श्रृंगार करती हैं। सोलह श्रृंगार को पूरा करती है हाथों में रची प्यारी-प्यारी मेहंदी। यहां हम आपको बता रहे हैं कि किस तरह के मेहंदी के डिजाइन आप अपने हाथों में लगाकर इस तीज पर डिफरेंट नजर आ सकती हैं। इनमें से कुछ मेहंदी डिजाइंस पर एक नजर।

भरवा मेहंदी डिजाइन

तीज जैसे मौके पर भरे-भरे डिजाइन वाली मेहंदी पसंद की जाती हैं। इनके अलावा जालीदार, फूल पत्तियों के डिजाइन काफी पसंद किए जाते हैं। साथ ही इनमें फूलों के डिजाइन भी काफी सुंदर लगते हैं। जब आप इस तरह की मेहंदी लगवाती हैं, तो हाथों की खूबसूरती और बढ़ जाती है।

अरेबिक मेहंदी डिजाइंस

अरेबियन मेहंदी के डिजाइन अधिकतर महिलाओं को पसंद आते हैं। इनमें आजकल कई तरह के डिजाइन ट्रेंड में चल रहे हैं। इस डिजाइन से आपके हाथों को बेहद सुंदर लुक मिलता है। अरेबिक मेहंदी डिजाइन में हाथों में भरकर मेहंदी नहीं लगाई जाती है। बल्कि इसमें बेल टाइप मेहंदी डिजाइन ज्यादा पसंद की जाती है। साथ ही आपकी लगी हुई मेहंदी हाथ में भी नजर आता है। इनमें बहुत सारे डिजाइन आजकल ट्रेंड में हैं, इनमें से आप कुछ अलग हट कर डिजाइन अपने हाथों में लगवा सकती हैं।

इस डिजाइन में हथेली को पूरी तरह भर कर बनाया जाता है। यह डिजाइन बहुत खिलता हुआ नजर आता है।

पोर्ट्रेट मेहंदी डिजाइंस

आजकल इस तरह की मेहंदी डिजाइन भी काफी ज्यादा पसंद की जा रही है। इसमें अपने किसी खास व्यक्ति की मुखाकृति को बनाया जाता है। शादी और तीज जैसे त्यौहारों पर तो खासकर इस मेहंदी डिजाइन को काफी पसंद किया जाता है। खासकर ब्राइडल के हाथों पर इन मेहंदी को आपने लगा देखा होगा। इसमें दूल्हा और दुल्हन की आकृति को हाथों पर बनाया जाता है। जिससे ब्राइडल के हाथ बेहद सुंदर नजर आते हैं। तीज जैसे त्यौहारों पर भी इस मेहंदी डिजाइन का काफी क्रेज देखा जा रहा है।

टैटू मेहंदी डिजाइंस

अगर आपके पास कम समय है और आप कुछ घंटे बैठकर मेहंदी कहीं लगवा नहीं पाती हैं तो ऐसे में टैटू मेहंदी लगा सकती हैं। इसके लिए बाजार में मिलने वाले मेहंदी के टैटू आप स्वयं लेकर आसानी से हाथों पर लगा सकती हैं। टैटू मेहंदी में आप काफी सारे डिजाइन, जो काफी ट्रेंडी और यूनिक हैं, उन्हें खरीद के इस तीज पर अपने हाथों पर लगा सकती हैं।

ज्वेलरी मेहंदी डिजाइंस

त्यौहारों पर यह मेहंदी डिजाइन भी बेहद सुंदर नजर आती है। ज्वेलरी मेहंदी के डिजाइन इस तरह के लगाए जाते हैं कि आपके हाथों पर लगाई गई मेहंदी गहनों की तरह नजर आती है। ज्वेलरी मेहंदी डिजाइंस आमतौर पर पूरे हाथ, बाजू और पैरों को कवर करते हैं और बहुत विस्तृत और कलात्मक होते हैं। इन्हें अगर सफाई से नहीं लगवाया जाए तो फिर ज्यादा सुंदर नहीं लगते हैं। ऐसे में मेहंदी लगाने वाले का एक्सपर्ट होना जरूरी है। ❁

(ब्यूटीशियन साधना शर्मा से बातचीत पर आधारित)

बच्चों को अपने साथ सुलाना कितना सही-कितना गलत

छोटे बच्चे अपने पापा-मम्मी के पास ज्यादा से ज्यादा रहना चाहते हैं। पैरेंट्स भी यही चाहते हैं। सवाल यह है कि बच्चे रात में अकेले सोएं या अपने पापा-मम्मी के साथ? इस बारे में आपके लिए जरूरी सलाह।

बच्चे और आप
नीलम अरोड़ा

हमारे देश में ही नहीं, दुनिया के कई और देशों में भी बच्चों को काफी उम्र तक माता-पिता अपने साथ सुलाते हैं। उनका मानना होता है कि इससे बच्चों की माता-पिता के साथ बॉन्डिंग ज्यादा गहरी होती है। बच्चे स्वयं को सुरक्षित महसूस करते हैं। पैरेंट्स भी उनकी सुरक्षा के विषय में सुनिश्चित रहते हैं। कई माता-पिता अपने बेडरूम में ही बच्चों को एक ही पलंग पर सुलाते हैं, तो कई अपने बेड पर न सुलाकर उन्हें उनके लिए अलग बेड की व्यवस्था करते हैं। पश्चिमी देशों में इसके विपरीत बच्चों को शुरू से ही अलग सुलाया जाता है, जिसमें सबसे बड़ी वजह बच्चों को बेहतर नींद आए और माता-पिता की प्राइवेसी में कोई खलल न पड़े।

साथ सुलाने के फायदे: बच्चों को साथ सुलाने के कई फायदे होते हैं। इससे उनको भावनात्मक सुरक्षा तो मिलती ही है, जब वो साथ सोते हैं तो कम रोते हैं और कम तनावग्रस्त होते हैं। उनका शारीरिक विकास भी बेहतर होता है, क्योंकि अलग सोने वाले बच्चों की तुलना में वे खुश रहते हैं, उनकी कम तनाव होने और स्वस्थ रहने से उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता में भी इजाफा होता है। माता-पिता जब बच्चों को अपने साथ सुलाते हैं तो चूंकि वे उनकी सुरक्षा के प्रति आश्वस्त होते हैं, उन्हें भी अच्छी नींद आती है। बच्चों के साथ उनके रिश्ते मजबूत होते हैं। एक-दूसरे के करीब होने के कारण वे एक-दूसरे की शारीरिक और मानसिक जरूरतों को ज्यादा अच्छी तरह से समझ सकते हैं। साथ में सुलाने से बच्चों की देखभाल करना, उनकी किसी भी तरह की जरूरत को समझना उनके लिए ज्यादा सुविधाजनक होता है।

बच्चों को अलग कब सुलाएं: इस विषय में कोई सटीक जवाब नहीं मिलता है। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि बच्चों को छह महीने के बाद अलग सुलाना चाहिए। जबकि कुछ का मानना है कि बच्चे जब दो या तीन साल के हो जाते हैं तो पैरेंट्स को अपनी प्राइवेसी मेंटेन करने के लिए उन्हें अपने से अलग सुलाना चाहिए। कुछ बालरोग विशेषज्ञों का मानना है कि बच्चों के साथ लंबे समय तक बेड शेयरिंग नहीं करनी चाहिए। खासतौर पर बच्चे जब छोटे हों। क्योंकि नींद में बच्चों की स्थिति का पता नहीं चलता। ऐसे में यदि माता-पिता को कोई संक्रामक रोग है तो इसका असर बच्चे पर पड़ सकता है।

कुछ और जरूरी सुझाव: यदि बच्चा प्री-मैच्योर है तो उसे मां को अपने साथ सुलाना चाहिए। बच्चे को एक ही बिस्तर पर सुलाने से जगह कम होने के कारण उनके गिरने की भी आशंका रहती है।

- यदि बच्चे को लंबे समय तक अपने साथ सुलाया जाए तो एक समय के बाद उसे अकेले सोने में डर लगता है। बाद में उनकी आदत बदलना कठिन होता है।
- अगर आप भी अपने बच्चों को अपने साथ सुलाती हैं तो इस बात का खास ख्याल रखें कि आपका बिस्तर कितना लंबा चौड़ा है। अगर इसमें पर्याप्त स्थान नहीं है तो बच्चे के गिरने या दबने की भी आशंका रहती है।
- अगर बच्चे का माता-पिता के साथ ज्यादा भावनात्मक जुड़ाव हो तो उसे धीरे-धीरे अपने से अलग सुलाने की आदत डालनी चाहिए। साथ सुलाने में माता-पिता की ही नहीं बच्चे की नींद भी बाधित होती है।
- बच्चा अगर बहुत छोटा नहीं है तो उसके लिए अपने ही कमरे में अलग बेड की व्यवस्था करें। धीरे-धीरे उसे अलग कमरे में सुलाएं, लेकिन उसका कमरा आपके बेडरूम से ज्यादा दूर नहीं होना चाहिए। ताकि रात के समय जब उसे आपकी जरूरत हो तो आप उसके लिए तुरंत वहां हाजिर हो सकें। ❁

क्या आप हमेशा सोचती हैं नेगेटिव

मेंटल हेल्थ
अंजू जैन

कुछ लोगों का मन हमेशा उदासी में डूबा रहता है। उन्हें लगता है, कोई उनको पसंद नहीं करता। अपने आपको हर काम में असक्षम मान लेते हैं। अगर आपके साथ भी ऐसा है तो आप नेगेटिवटी से घिरी हुई हैं, मानसिक रोग से ग्रस्त हो सकती हैं। इससे जल्द से जल्द उबरिए। सबसे पहले अपने आपको पहचानें कि क्या आप मानसिक रोग से ग्रस्त हैं, फिर अपनी सोच बदलने का प्रयास करें।

मुझे कोई चाहता नहीं: 'मेरी किसी को परवाह नहीं।', 'हर कोई खुद में ही मस्त है, मुझे कोई नहीं चाहता।' अगर अकेले में आप ऐसा बार-बार सोचती हैं तो समझ लें कि आपका दिमाग वास्तविकता की बजाय भावनाओं में बह रहा है, बहका हुआ है। ऐसे में कई बार आप अचानक अपराधबोध की शिकार हो जाती हैं, सोचती हैं कि मैंने कुछ गलत किया है।

क्या करें: 'द हैप्पीनेस ट्रैप' पुस्तक में मनोविज्ञानी रस हैरिस ने लिखा है कि इस स्थिति में आपको अपनी अनुभूतियों को कंट्रोल में लाना होगा, सच्चे मन से वास्तविकता को पहचानना होगा। 'मैं अकेली हूं, मुझे कोई नहीं चाहता।' ऐसा कुछ सोचना, अस्थाई मानसिक स्थिति के इमोशंस हैं। इन्हें आपको हवा में उड़ाना सीख लेना चाहिए। अपने इमोशंस को कंट्रोल सकती हैं।

कोशिश करना बेकार है: आपको अपनी पसंदीदा जॉब की वैकेंसी की खबर मिलती है। आप पल भर के लिए उत्साहित होती हैं। लेकिन अगले ही पल आपका मन बुझ जाता है, आप अपनी क्वालिफिकेशन से ज्यादा अपनी कमियां गिनने लगती हैं। फिर सोचती हैं कि मुझे यह जॉब नहीं मिलेगी।

क्या करें: यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ कैरोलिना की पॉजिटिव इमोशंस एंड साइको-फिजियोलॉजिकल लैब में डायरेक्टर बारबरा फ्रेड्रिक्शन कहती हैं, 'हमारी ज्यादातर नेगेटिविटी मेंटल टाइम ट्रैवल से आती है। नेगेटिविटी से उबरने के लिए आप धीरे-धीरे अपनी पॉजिटिव बातों पर फोकस करिए। एक-एक कर आपको अपनी क्षमताओं का अनुभव होने लगेगा, उसी वक्त संकल्प लें कि आपको पूरी ऊर्जा के साथ यह काम करना है। हर शाम दिनभर की अच्छी बातें, घटनाएं और उपलब्धियां लिखें और इसके लिए ऊपर वाले का शुक्रिया अदा करें। मेडिटेशन करें। आपको निराशा से उबरने में मदद मिलेगी।'

हर बुरी बात के लिए खुद को जिम्मेदार मानना: कई बार आप अपने आस-पास होने वाली हर बुरी बात के लिए खुद को जिम्मेदार मानने लगती हैं। कोई किसी मीटिंग या किसी पार्टी में आपके जाते ही निकल जाता है तो आपको लगता है कि वह आपके व्यवहार से नाराज है।

क्या करें: सबसे पहले आपको इस बात पर विश्वास करना होगा कि दुनिया में या आपके इर्द-गिर्द हो रही हर बात के लिए आप जिम्मेदार नहीं हैं। मनोचिकित्सक और 'यू आर नॉट युअर ब्रेन' की लेखिका रेबेका ग्लेडिंग कहती हैं, 'आपको स्वीकार कर लेना चाहिए कि दूसरों के मूड पर आपका कोई नियंत्रण नहीं है। इससे उबरने में मदद मिलेगी।' ❁

घरेलू कामों से भी होती है एक्सरसाइज

फिट रहने के लिए हमेशा जरूरी नहीं कि जिम में जाकर वर्कआउट ही करें। आप बहुत से घरेलू काम करते हुए भी एक्सरसाइज के फायदे उठा सकती हैं, अपनी फिटनेस मेंटेन कर सकती हैं। इस बारे में जानिए।

फिटनेस
शिखर चंद जैन

रवीना अपने बढ़ते वजन और कमर के बढ़ते घेरे से परेशान थी। मोटापे के कारण न सिर्फ उसका शरीर बेडौल होने लगा बल्कि उसे गैस और अपच जैसी समस्याएं भी सताने लगीं। फैमिली डॉक्टर उसे कई बार सुबह-शाम वर्कआउट करने के लिए या जिम ज्वाइन करने के लिए कह चुके थे। लेकिन रवीना को वक्त ही नहीं मिलता था। सुबह बेटे-बेटी को स्कूल भेजती, फिर पति के साथ ब्रेकफास्ट करती। ग्यारह बजे हाउसमेड आ जाती, उससे लंच बनवाने, कपड़े धुलवाने, बर्तन मंजवाने और पूरे घर की साफ-सफाई करवाने में एक बज जाता। उसके जाने पर वह खाना खाती, टीवी देखती और दो घंटे सो जाती। शाम को सोसायटी की कुछ महिलाएं आ जातीं, उनसे गप-शप करने में 6 बज जाते, फिर डिनर की तैयारी करती। इस तरह न तो उसे जिम जाने की फुर्सत मिलती और न वर्कआउट करने की। एक दिन उसने अपनी सहेली शैलजा से अपनी समस्या बताई और पूछा, 'तू भी तो जिम नहीं जाती फिर कैसे फिट दिखती है?' इस पर शैलजा बोली, 'घर की साफ-सफाई से लेकर बर्तन, कपड़े धोने, गार्डनिंग और खाना बनाने तक का काम मैं ही करती हूं। यही तो है मेरी फिटनेस और हेल्दी रहने का राज। तुझे पता है, घर के काम-काज करने का फायदा भी जिम जाने जितना ही मिलता है।' शैलजा ने बिल्कुल ठीक कहा।

क्या कहती हैं स्टडीज: हाल ही में एक अध्ययन के नतीजे में कहा गया है कि घरेलू काम-काज का फायदा जिम जाने या रोजाना वर्कआउट जितना ही मिलता है। पोंछा लगाने, घर साफ करने, बागवानी करने और बाजार से साग-सब्जी या घरेलू सामान लाने से भी काफी कैलोरी बर्न होती है, क्योंकि इन कामों में फिजिकल मूवमेंट्स भी काफी होती हैं। आप वर्किंग वूमेन हों या होममेकर, अगर वर्कआउट के लिए समय नहीं निकाल पातीं, तो अपनी दिनचर्या में से वो पल या काम ढूंढ़ लें, जिससे आप फिजिकल मूवमेंट्स में इंवॉल्व रह सकती हैं। आपको किसी तरह की हेल्थ प्रॉब्लम है, तो डॉक्टर से कंसल्ट कर वर्कआउट कर सकती हैं।

ये भी हैं तरीके: एक्सरसाइज का टाइम नहीं मिलता तो फिजिकल एक्टिविटी के लिए घर से ऑफिस जाते समय बस से एक स्टॉपेज पहले उतर कर पैदल जा सकती हैं। इसी प्रकार आते समय भी घर से एक स्टॉपेज पहले उतर सकती हैं। चौथी मंजिल पर स्थित ऑफिस और तीसरी मंजिल पर मौजूद फ्लैट में जाने के लिए लिफ्ट के बजाय सीढ़ियों को यूज कर सकती हैं। इसी प्रकार बागवानी करने से भी तन और मन दोनों फिट रहते हैं। बागवानी के लिए काफी चलना-फिरना पड़ता है, हाथों की मूवमेंट्स करनी पड़ती है। इससे भी एक्सरसाइज होती है।

इस बात का रखें ध्यान: अगर किसी को फ्रोजन शोल्डर या टेनिस एल्बो की परेशानी नहीं है, तो उसके लिए स्वीमिंग एक अच्छी एक्सरसाइज हो सकती है। इससे कंधों और भुजाओं की अच्छी एक्सरसाइज हो जाती है। साथ ही कोर मसल्स को मजबूती भी मिलती है। बैठकर पोंछा लगाना भी एक अच्छी एक्सरसाइज है, जिन्हें घुटनों में तकलीफ हो उन्हें खड़े-खड़े पोंछा लगाना चाहिए। ❁

(फिटनेस ट्रेनर चिन्मय राय से बातचीत पर आधारित)

खबर संक्षेप

गजानंद बने स्वर्णकार समाज के तहसील प्रधान

सिरसा। स्वर्णकार समाज की एक बैठक सोमवार को बेगू रोड स्थित सोनी धर्मशाला में हुई जिसमें गजानंद सोनी को सर्वसम्मति से स्वर्णकार संघ सिरसा तहसील बनाया गया। इस मौके पर गजानंद सोनी ने कहा कि सिरसा जिला के इतिहास में पहली बार समाज की एकता का संदेश खुशियों के साथ भाईचारे के साथ दिया गया। चौथी बार समाज की सेवा करने का मौका मिला है। गौरतलब है कि गजानंद सोनी इससे पूर्व भी वे तहसील के भी काफी बार प्रधान रह चुके हैं और साथ ही हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष पद पर व राष्ट्र उपाध्यक्ष पद पर भी रहते हुए समाज में अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

सुरेश मंगला बने जिला मीडिया प्रभारी

रतिया। पतंजलि योग समिति जिला फतेहाबाद द्वारा आज नई कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें शहर की विभिन्न धार्मिक व सामाजिक संस्थाओं से जुड़े सुरेश मंगला को पतंजलि योग समिति के जिला सोशल मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया। अपनी नियुक्ति पर सुरेश मंगला ने धन्यवाद करते हुए कहा कि मुझे जिला फतेहाबाद का सोशल मीडिया प्रभारी नियुक्त करने के लिए योग गुरु रामदेव, केन्द्रीय प्रभारी राकेश मित्तल, राज्य प्रभारी ईश आर्य, मंडल प्रभारी मदन गोपाल आर्य, भारत स्वाभिमान ट्रस्ट जिला प्रभारी तरुण मेहता व पतंजलि जिला प्रभारी धर्मवीर ललित का आभार व्यक्त किया और कहा कि वह अपने नए दायित्व को पूरी ईमानदारी से करेंगे।

मंदिर से बैटरी चोरी के दो आरोपी काबू

टोहाना। बैटरी चोरी के एक मामले में थाना सदर टोहाना पुलिस ने दो आरोपियों को काबू किया है। काबू किए गए आरोपियों की पहचान गुरप्रीत सिंह पुत्र हंसा राम और नरेंद्र सिंह पुत्र जगपाल सिंह निवासी गांव रूपांवाली के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई एक बैटरी और वारदात में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल बरामद की है। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। थाना शहर टोहाना प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद ने बताया कि इस संबंध में जितेन्द्र प्रसाद पुत्र ओमप्रकाश निवासी हैदरवाला ने शिकायत दर्ज करवाई थी।

पपेट शो के जरिए मेहनत करने का दिया संदेश

टोहाना। भूना रोड स्थित सेंट जोसफ इंटरनेशनल स्कूल में किंडर गार्टन के बच्चों के लिए पपेट शो का आयोजन किया गया। प्राचार्या मारियालीन लुईस ने बताया कि समय-समय स्कूल के द्वारा ऐसे प्रेरणादायक कार्यक्रमों का आयोजन स्कूल द्वारा किया जाता है ताकि बच्चें खेल-खेल में अनुशासन, मेहनत इत्यादि अच्छी आदतों के बारे में जाने। उन्होंने बताया कि आज के पपेट शो के माध्यम से विद्यार्थियों को चींटी और टिड्डा कहानी दिखाई गई। जिसमें एक आलसी टिड्डा गर्मियों में नाचता-गाता रहता है, जबकि चींटियाँ सर्दियों के लिए भोजन इकट्ठा करने में मेहनत करती हैं।

जमकर की नारेबाजी, एफआईआर रद करने की मांग

डीजे विवाद पर हिसार पुलिस के समर्थन में उतरे फतेहाबाद के रिटायर्ड पुलिसकर्मी

डीजे बंद करवाने गए पुलिस कर्मचारियों से मारपीट और उसके बाद दर्ज केस करने का मामला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। हिसार पुलिस का समर्थन करते रिटायर्ड पुलिस कर्मचारी।

हिसार में डीजे बंद करवाने गए पुलिस कर्मचारियों से पहले मारपीट और उसके बाद पुलिस कर्मचारियों पर ही दर्ज केस के मामले में रिटायर पुलिस कर्मचारी एसोसिएशन के सदस्यों ने सोमवार को फतेहाबाद के लघु सचिवालय में प्रदर्शन किया। नारेबाजी करते हुए रिटायर पुलिस कर्मचारी एसोसिएशन के सदस्य लघु सचिवालय पहुंचे और फतेहाबाद की डीसी को मुख्यमंत्री और फतेहाबाद के एसपी को डीजीपी के नाम मांग पत्र सौंपा। रिटायर पुलिस कर्मचारी एसोसिएशन के प्रधान रणजीत डबास और हेतराम सिंह ने बताया कि लोगों की शिकायत मिलने के बाद हिसार में पुलिस कर्मचारी देर रात बज रहे डीजे को बंद करवाने गए थे लेकिन डीजे बजा रहे लोगों ने पुलिस पर ही हमला कर दिया। इस दौरान शराब के नशे में एक युवक छत से गिर गया और उसका इल्जाम और पुलिस कर्मचारियों पर लगा दिया गया है। राजनीति के चलते पुलिस कर्मचारियों पर केस दर्ज कर लिया गया है जिसका पुलिस संगठन विरोध करती है और इसको लेकर पूरे हरियाणा में आज मांग पत्र सौंप कर विरोध जताया जा रहा है। प्रधान रणधीर डबास, हेतराम बिश्नोई, वीरेंद्र कुमार, सुरेंद्र पाल सहित कई सदस्यों ने कहा कि पुलिस कर्मचारियों के साथ ड्यूटी के दौरान अभद्र व्यवहार, मारपीट, झगड़े के मामले आए दिन आ रहे हैं।

इससे पुलिस की छवि समाज में धूमिल होती जा रही है। अपराधियों के हौसले बुलंद हो रहे हैं। इससे पुलिसकर्मियों और उनके परिवारजनों में भय और असुरक्षा का माहौल है।

पुलिस की सुरक्षा के लिए बनाए जाएं सख्त कानून

पुलिस जनता की सेवा, सुरक्षा व कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए ड्यूटी पालन करती है, लेकिन असामाजिक तत्व व उनके परिवार के सदस्य कानून की धज्जियां उड़ाते हुए बेखौफ होकर पुलिस ड्यूटी में बाधा डालते हैं। इतना ही नहीं झूठ बोलकर महिलाओं के साथ छेड़छाड़ के झूठे आरोप लगाकर पुलिस कर्मचारियों की झूठी शिकायत करके उच्च अधिकारियों व सरकार को गुमराह करते हैं। उन्होंने मांग की, कि ऐसे हालातों को देखते हुए पुलिस विभाग व हरियाणा सरकार पुलिस की सुरक्षा के लिए कड़ा कानून बनाए। इस प्रकार के अपराधों को रोकने के लिए अपराधियों को सख्त सजा दिलवाने के लिए त्वरित कोर्ट का गठन किया। उन्होंने हिसार में पुलिसकर्मियों पर दर्ज एफआईआर रद करने की मांग की।

सिरसाः सीईटी परीक्षा केंद्रों पर जैमर और मेटल डिटेक्टर लगाने के निर्देश

- परीक्षा केंद्र के आसपास एकत्रित होने और गाड़ियों की पार्किंग की होगी मनाही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा 26 और 27 जुलाई को दो सत्र में आयोजित की जा रही कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट (सीईटी) परीक्षा को लेकर जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारियां की है। सिरसा जिला में 64 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा को लेकर प्रशासन द्वारा नोडल अधिकारी, फ्लाइंग स्क्वायड व ड्यूटी मजिस्ट्रेटों की नियुक्ति की जा रही है। उपायुक्त शांतनु शर्मा ने बताया कि परीक्षा 26 और 27 जुलाई को दो सत्र में आयोजित की जाएगी, सुबह 10 बजे से 11.45 तथा दोपहर बाद 3.15 से पांच बजे तक परीक्षा का समय रहेगा। प्रत्येक केंद्र पर जैमर, सीसीटीवी और मेटल डिटेक्टर लगाए जाएंगे। स्टाफ को भी मोबाइल फोन के साथ अंदर जाने की अनुमति नहीं होगी। प्रश्न पत्रों के सीलबंद बॉक्स परीक्षा केंद्रों तक फ्लाइंग स्क्वाड और ड्यूटी मजिस्ट्रेट्स की निगरानी में पहुंचाए जाएंगे। जिला शिक्षा अधिकारी को समन्वयक नियुक्त किया गया है जो सभी परीक्षा केंद्रों में बैठने की व्यवस्था की निगरानी करेंगे। उन्होंने बताया कि प्रत्येक चार परीक्षा केंद्रों पर एक फ्लाइंग स्क्वाड काम करेगी। परीक्षा केंद्रों के आसपास फोटोस्टेट मशीन बंद रहेगी। परीक्षा केंद्र के आसपास एकत्रित होने और गाड़ियों की पार्किंग की मनाही रहेगी।

प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर बड़ी संख्या में पुलिस कर्मचारी तैनात किए जाएंगे। अभ्यर्थियों की प्रवेश से पूर्व पहचान, जांच एवं सत्यापन पुलिस बल की निगरानी में होगा। बिना एडमिट कार्ड किसी को भी प्रवेश नहीं मिलेगा।

न्यूज डायरी

क्विज व पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन

सिरसा। 76वें राज्य स्तरीय वन महोत्सव के अवसर पर सोमवार को खैरपुर स्थित राजकीय सीनियर सैकेण्डरी स्कूल में क्विज और पेंटिंग प्रतियोगिताओं का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सिरसा जिले के विभिन्न विद्यालयों के लगभग 250 विद्यार्थियों ने भाग लिया। जिला वन मंडल अधिकारी सतीश कुमार, वन रेंज अधिकारी हरिपाल तथा अन्य वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। क्वीज प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय माधोसिंघाना के कक्षा 12वीं के छात्र संजय रहे। द्वितीय स्थान पर राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गुडियाखेड़ा की कक्षा 11वीं की छात्रा अन्नू रही, जबकि तृतीय स्थान राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय शाहपुर बेगू की कक्षा 12वीं की छात्रा रहमत को प्राप्त हुआ।

प्रशासन भ्रष्टाचार की जांच को तैयार नहीं: सैनी

सिरसा। पूर्व नगर पार्षद सुशील सैनी व समाजसेवी गुरलाल सेखों ने जिला प्रशासन पर सिरसा नगर परिषद में भ्रष्टाचार के खिलाफ जांच करने में कोताही करने का आरोप लगाया है। सुशील सैनी ने सोमवार को जारी बयान में कहा कि जिला नगर आयुक्त वीरेंद्र सहरावत भ्रष्टाचार में संलिप्त हैं। जिस श्रवण कुमार एसडीओ ने अमृत योजना और स्टॉर्म वाटर प्रोजेक्ट पार्ट वन की ड्राइंग बदलने का काम किया था, उसी से शिवपुरी की ड्राइंग भी बदलवाकर गोलमाल किया गया। यदि ऑनलाइन पोर्टल पर देखा जाए तो तथ्य साफ नजर आते हैं। नगर परिषद के अधिकारियों ने सेक्शन 35 के तहत गलियों के टेंडर निकाले और 4 लाख की जगह 25 लाख रुपए की पेमेंट्स की जबकि सेक्शन 35 के तहत एमरजेंसी में काम करवाने का नियम है।

लायंस क्लब ने रक्तदान शिविर का किय आयोजन

रतिया। लायंस क्लब रतिया टाऊन द्वारा गांव कुनाल में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया, जिसमें 51 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। परियोजना अधिकारी डॉ. अनुज गुप्ता ने रक्तदाताओं को प्रेरित करते हुए बताया कि यह शिविर सदस्य सुरेश जैन की वैवाहिक वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया है। क्लब अध्यक्ष कपिश गुप्ता ने रक्तदान को समाज सेवा का महान कार्य बताया। रीजन चेयरमैन विजय जिंदल ने पहली बार रक्तदान करते हुए सभी को प्रेरित किया। मानव सेवा संगम ट्रस्ट के प्रधान सतपाल ननहेड़ी ने क्लब का आभार जताते हुए कहा कि यह रक्त थैलीसीमिया पीड़ित बच्चों और आपातकालीन जरूरतमंद मरीजों को दिया जाएगा। इस अवसर पर रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। सरपंच प्रतिनिधि हरदीप सिंह ने क्लब के कार्य की सराहना करते हुए सभी सदस्यों को सम्मानस्वरूप सिरोपे भेंट किए।

महिला कालेज में एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम आयोजित

सिरसा। राजकीय महिला महाविद्यालय में सोमवार को एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर डॉ. विक्रमजीत सिंह ने विद्यार्थियों से कहा कि इस तरह के कार्यक्रम का उद्देश्य सतत विकास को आगे बढ़ाने और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने में युवाओं की भूमिका को चिन्हित करना है। महाविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी डॉ. मोनिका गिल ने बताया कि इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के इंचार्ज डॉ. प्रीत कौर की देखरेख में पौधरोपण का कार्य किया गया जिसमें विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए गए। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। इस मौके पर कालेज के सभी स्टाफ सदस्यों के साथ साथ बच्चों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई।

नशे की लत छुड़ाने के लिए चलेगा अभियान

रतिया। रतिया क्षेत्र में युवाओं को नशे की दलदल से बाहर निकालने और उन्हें खेलों की ओर प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एक व्यापक नशा विरोधी अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान का नेतृत्व हैप्पी ग्रोहा और गुरसेवक सिंह खोर कर रहे हैं। उन्होंने इस जन-आंदोलन को मजबूती देने के लिए भारत के ओलंपिक पदक विजेता पहलवान बजरंग पूनिया से मुलाकात की, जिन्होंने इस सामाजिक पहल को पूर्ण समर्थन देने की बात कही है। इस अभियान की विशेष बात यह है कि यह केवल नशा मुक्ति तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि हर गांव में खेल मैदान का निर्माण कर युवाओं को खेलों की दिशा में प्रेरित किया जाएगा। हैप्पी रतिया और गुरुसेवक खौखर का मानना है कि यदि युवाओं को सकारात्मक दिशा मिले, तो वे नशे जैसी बुराइयों से स्वतः दूर रहेंगे। उनके अनुसार, खेल न केवल शरीर को मजबूत बनाते हैं, बल्कि मानसिक अनुशासन, टीम भावना और आत्मविश्वास को भी बढ़ाते हैं। ओलंपियन बजरंग पूनिया ने कहा कि हरियाणा के युवाओं में अपार क्षमता है। यदि उन्हें सही मार्गदर्शन और संसाधन दिए जाएं, तो वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन कर सकते हैं। रतिया क्षेत्र में जो अभियान शुरू हो रहा है, वह एक मिसाल बनेगा।

बच्चों ने पेंटिंग-क्विज स्पर्धा में भाग लिया

- राजकीय कन्या विद्यालय, भोड़िया खेड़ा में एक पेड़ मां के नाम थीम के तहत कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

वन महोत्सव के उपलक्ष्य में राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, भोड़िया खेड़ा में एक पेड़ मां के नाम थीम के तहत विद्यार्थियों की पेंटिंग और इको क्विज प्रतियोगिता करवाई गई। इस अवसर पर वन विभाग से उपवन राजिक प्रभारी यशवीर सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए और पर्यावरण संरक्षण के बारे में बच्चों को जागरुक किया। इस प्रतियोगिता में फतेहाबाद के विभिन्न स्कूलों के 137 बच्चों ने भाग लिया जिसमें इको क्विज प्रतियोगिता में 9वीं से 12वीं कक्षा के 52 बच्चों ने भाग लिया। पेंटिंग प्रतियोगिता के लिए दो ग्रुप बनाए गए जिसमें छठी से 8वीं कक्षा के 51 बच्चों में भाग लिया और 9वीं से 12वीं कक्षा के 34 बच्चों ने भाग लिया। पेंटिंग प्रतियोगिता छठी से आठवीं कक्षा में मानावाली स्कूल से मनजीत प्रथम, भोडिया खेड़ा स्कूल से डिंपल द्वितीय तथा खैराती खेड़ा स्कूल से राहुल तृतीयि रहा। क्विज प्रतियोगिता में भोडिया खेड़ा स्कूल से डोली प्रथम, भोडिया खेड़ा स्कूल से फिरदोज बानो द्वितीय रहे। इस मौके पर हरियाणा राज्य जैव विविधता बोर्ड की जिला समन्वयक भारती अरोड़ा, वन विभाग से वन दरोगा अमीलाल, महेंद्र सिंह, बलवंत सिंह, सुनील कुमार, वनरक्षक पवन कुमार, सुमन, उपवन राजिक वीरेंद्र कुमार, स्कूल की प्रिंसिपल नीलम, अध्यापक कुलदीप शास्त्री आदि मौजूद रहे।

समाज की सेवा व दूसरों का भला करना ही जीवन का उद्देश्यः साध्वी भारती

सिरसा। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान की ओर से सोमवार को दूसरी संध्या फेरी का आयोजन किया गया। यह संध्या फेरी श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर हुड्डा सेक्टर-20 से आरंभ होकर अलग-अलग गलियों में कीर्तन करते हुए दिव्या ज्योति जाग्रति संस्थान के आश्रम हुड्डा सेक्टर-20 हाउस नंबर 1544 पर समापन हुई। इस अवसर पर साध्वी संतोष भारती ने बताया कि जैसे एक बार वंदे मातरम के रचयिता बंकिम चंद्र चटर्जी की भेंट ठाकुर श्री रामकृष्ण परमहंस से हुई। ठाकुर ने उनसे पूछा आपके अनुसार जीवन का उद्देश्य क्या है, तब बंकिम चंद्र जी बोले समाज की सेवा करना, दूसरों का भला करना, सबके लिए अच्छा सोचना, अच्छा करना, यही जीवन का उद्देश्य है। जैसे ही ठाकुर ने यह सुनी तो वह बोले, इतने महान जीवन का उद्देश्य भला इतना छोटा कैसे हो सकता है। यह सब जो आपने बताया यह तो मानव जीवन का कर्तव्य है। जीवन का लक्ष्य नहीं। हम में से अधिकतर लोग भी यही चूक कर जाते हैं, अगर कोई हमें अध्यात्म की ओर प्रेरित करता है तो अक्सर हम यही कहते हैं कि किसी का मन ना दुखाओ किसी का बुरा मत करो सब का अच्छा करो। यही काफी है, यही भक्ति भजन सब यही है, यही जीवन का लक्ष्य परंतु यह पूर्ण सत्य नहीं है। सबका अच्छा करना समाज सेवा करना यह सब साधन है, सत्य नहीं यह सब मार्ग है, मंजिल नहीं। वह है उसे ईश्वर की प्राप्ति करना अपनी जीवात्मा को प्रभु से मिलना कुछ ऐसे ही पूर्ण तथ्यों से अवगत करवाने ऐसे ही रहस्य से पर्दा उठाने के लिए हमें हमारे जीवन का लक्ष्य बताने के लिए सिरसा शहर के अनाज मंडी सैड नंबर 1 में 5 सितंबर से लेकर 11 सितंबर तक भागवत कथा का आयोजन होने जा रही है।

सिरसा। सीएमओ को ज्ञापन सौंपते हुए अनुबंधित स्वास्थ्य कर्मचारी संघ।

अनुबंधित स्वास्थ्य कर्मचारी संघ हरियाणा ने सीएमओ को सौंपा मांगों का ज्ञापन

सिरसा। अनुबंधित स्वास्थ्य कर्मचारी संघ हरियाणा की जिला इकाई ने सोमवार को अपनी मांगों को लेकर सीएमओ डॉ. महेंद्र कुमार भादू को ज्ञापन सौंपा। प्रदेश अध्यक्ष भूपेश पालीवाल ने बताया कि ज्ञापन में सेवा सुरक्षा अधिनियम का तत्काल लाभ, लंबित वेतन भुगतान, योग्यता अनुसार लेवल में समायोजन, जोखिम भत्ता, भत्तों की सुविधा, स्थानांतरण नीति, ईएसआईसी एवं एलडब्ल्यू एफ का लाभ और 8 प्रतिशत वेतन वृद्धि सहित कुल 13 प्रमुख मांगें शामिल हैं। उन्होंने बताया कि संघ हमेशा राष्ट्रवादी विचारधारा और सामाजिक उत्तरदायित्व को निभाते हुए कार्य करता आया है। बार-बार सरकार से संवाद के माध्यम से समाधान की मांग की है, लेकिन यदि अब भी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो संगठन आगामी 4 अगस्त को प्रस्तावित प्रदेश स्तरीय बैठक में आंदोलन की रणनीति बनाने के लिए बाध्य होगा। प्रदेश महासचिव मनीष कुमार ने कहा कि एचकेआरएनएल के हजारों कर्मचारी वर्षों से स्वास्थ्य सेवाओं में योगदान दे रहे हैं, लेकिन आज भी वे असुरक्षित व उपेक्षित हैं। हम सरकार से मांग करते हैं कि सेवा सुरक्षा अधिनियम का लाभ सभी कर्मचारियों को समान रूप से दिया जाए और समस्याओं का स्थायी समाधान किया जाए। संघ ने स्पष्ट किया है कि यदि समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो यह आंदोलन चरणबद्ध रूप में आगे बढ़ाया जाएगा। इस मौके पर जिला संयोजक रवि कुमार शर्मा, सूरज कंबोज, अरुण जोशी, योगेश सैन, कुलविंदर कौर, विनोद जिला प्रचारक मौजूद रहे।

युवा पीढ़ी को नशे से नहीं बचाया तो भविष्य में भुगतने पड़ेंगे गंभीर परिणाम : भवानी सिंह

- जिले को नशामुक्त करने को लेकर महाशक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट का अभियान जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

जिले को नशामुक्त करने को लेकर महाशक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन में अभियान लगातार जारी है। ट्रस्ट के संस्थापक भवानी सिंह के नेतृत्व में ट्रस्ट द्वारा न केवल गांवों और शहरी क्षेत्रों में युवाओं को जागरूक कर नशे के खिलाफ लड़ाई के लिए उनकी टीमें गठित की जा रही हैं वहीं नशे के अवैध कारोबार से जुटे लोगों की भी पहचान कर पुलिस प्रशासन की मदद से उनके खिलाफ आवश्यक एक्शन लिया जा रहा है। संस्थापक भवानी सिंह का कहना है कि आज पथ से भटक चुकी युवा पीढ़ी को अगर नशे से दूर नहीं किया गया तो आने वाले समय में समाज को इसके भयंकर परिणाम भुगतने होंगे। समाज को बचाने और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए हरियाणा में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में गंभीरता से प्रयास किए जा रहे हैं और महाशक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट सीएम की इस मुहिम में कंधा से कंधा मिलाकर काम कर रहा है। इसी कड़ी में गांव अहलीसदर में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे ट्रस्ट संस्थापक भवानी सिंह ने गांव में 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की। यह टीम गांव में न केवल युवाओं को नशे के खिलाफ जागरूक कर उन्हें खेलों और अन्य सामाजिक गतिविधियों से जोड़ेगी वहीं गांव में नशे जैसे अवैध धंधे से जुड़े लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ भी एक्शन लिया जाएगा। इस टीम में प्रमोद कुमार, अजीत सिंह, कश्मीर सिंह, राकेश कुमार, जसवंत सिंह, सतप्रकाश, लक्की, विजय कुमार, गुरनाम चंद, महिन्द्र सिंह, अमनदीप, संदीप कुमार, अमित कुमार, सुरजीत सिंह, संदीप कुमार को शामिल किया गया है।

हेरिटेज प्रोग्राम में 100 से ज्यादा छात्र जुड़े

भूना। पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग ने सोमवार को कुणाल स्थित प्राचीन पुरातात्विक स्थल पर सोमवार को एक दिवसीय हेरिटेज प्रोग्राम आयोजित किया। इसमें गुरु नानक इंटरनेशनल सीनियर सेकेंडरी स्कूल और गवर्नमेंट मिडल संस्कृति हाई स्कूल, दिवाना के करीब 100 से ज्यादा छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान विभाग से विनीत भनवाला ने छात्रों को कुणाल स्थल का भ्रमण करवाया। उन्होंने इसके ऐतिहासिक महत्व की जानकारी दी। इसके बाद डॉ. सुरुचिका चावला, विजय और प्रीति ने प्रदर्शनी और वर्कशॉप करवाई। इसमें बच्चों ने प्राचीन सभ्यताओं, वस्तुओं और पुरातात्विक कार्यप्रणाली को समझा। विभाग की यह पहल राज्य के छात्रों में धरोहर संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए की गई। विभाग भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम करता रहेगा। इसका उद्देश्य युवा पीढ़ी को अपनी समृद्ध विरासत से जोड़ना है।

कार्यक्रम | शहीदी महासम्मेलन के पोस्टर का किया विमोचन

शहीद उधम सिंह ने भारत माता की सेवा में संपूर्ण जीवन किया न्यौछावर: ब्रह्मदास महाराज

सिरसा के गद्दीनशीन संत बाबा ब्रह्मदास महाराज ने पत्रकारों से की वार्ता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सिरसा। पत्रकारों से बात करते हुए बाबा ब्रह्मदास।

शहीद ऊधम सिंह एक महान भारतीय स्वतंत्रता सेनानी थे। शिरोमणि उधम सिंह जैसे महापुरुषों का जीवन केवल इतिहास ही नहीं, अपितु युगों-युगों तक भारत राष्ट्र के हृदय में धड़कने वाली चेतना है। उनके बलिदान, साहस और अडिग संकल्प ने न केवल भारत माता की आजादी का मार्ग प्रशस्त किया, बल्कि पूरे समाज की उस वीर योद्धा वाली परंपरा के लिए गौरवशाली इतिहास को भी अमर कर दिया। शिरोमणि शहीद उधम सिंह का जीवन न केवल उनके बलिदान की गाथा है, बल्कि नई पीढ़ी के मन में राष्ट्र प्रेम, संकल्प शक्ति, कर्तव्य और आत्मसम्मान का भी भाव जगाने वाली एक ज्वलंत मशाल है और हंसते-हंसते फांसी का फंदा चूमते हुए हर भारतवासी के मन में धर्म निरपेक्षता की आवाज बुलंद करके अपना नाम राम मोहम्मद सिंह आजाद बताकर पूरे भारतवर्ष को एकता के सूत्र में बांधने का काम किया। उक्त विचार मुख्य डेरा बाबा भूमणशाह, ग्राम बाबा भूमणशाह (संघर सरिस्ता) सिरसा के गद्दीनशीन संत बाबा ब्रह्मदास महाराज ने सोमवार को डेरे में पत्रकारों से बातचीत करते हुए व्यक्त किए। इस दौरान बाबा ब्रह्मदास महाराज ने शहीदी महासम्मेलन के पोस्टर का विमोचन भी किया।

सभी मीडिया कर्मियों के कार्यों की सराहना कर जताया आभार

बाबा ब्रह्मदास ने कहा कि शहीद उधम सिंह बाल्यवस्था से ही देश सेवा में समर्पित रहे। विदेशों में फ्रेंक ब्राजील और बावा सिंह के नाम से प्रसिद्ध रहे, लेकिन उनकी डायरी में वह अपना नाम केवल राम मोहम्मद सिंह आजाद (एमएस आजाद) लिखते थे। खुद को राम मोहम्मद सिंह आजाद के नाम से स्थापित करने के पीछे उधम सिंह का मकसद केवल भारतीयों के मन में धर्मनिरपेक्षता की आवाज बुलंद करना था। बाबा ब्रह्मदास महाराज ने कहा कि हमें शहीदों के दिखाए गए मार्ग पर चलकर देश सेवा में हमेशा तल्लीन रहना चाहिए। मुख्य डेरा बाबा भूमणशाह भी लगातार मानवता की सेवा में तत्पर है, फिर चाहे बात रक्तदान की हो, सफाई की होए पर्यावरण की हो या गौमाता की सेवा की हो। आप सब के सहयोग से शिरोमणि शहीद उधम सिंह जैसे अपने राष्ट्र के प्रति समर्पण व बलिदान लाखों देश भक्तों के लिए प्रभावशाली व प्रेरणादायक साबित हो, यही इस महासम्मेलन का मुख्य डेरा बाबा भूमणशाह में मनाने का उद्देश्य है। डेरे के सेवक सचिव विनोद एडवोकेट ने प्रेस वार्ता में आए हुए सभी मीडिया कर्मियों के कार्यों की सराहना करते हुए उनका आभार जताया।

उन्होंने बताया कि शिरोमणि शहीद उधम सिंह के 85वें शहीदी महासम्मेलन पर 31 जुलाइ 2025 को डेरे में अनेक धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक किया जाएगा। जिसमें देश-विदेश के साधु संतों के अलावा हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी बतौर मुख्यातिथि शिरकत करेंगे। इसके अलावा जर्मनी के सांसद राहुल कंबोज अति विशेष अतिथि और विशेष आमंत्रित अतिथि के रूप में महंत महेश मुनि (उदासीन बड़ा अखाड़ा, कुरुक्षेत्र, हरियाणा) भी अपनी उपस्थिति दर्ज करवाएंगे।

सार्वजनिक सूचना

नोटिस

कार्यालय श्री रवि कुमार उप तहसीलदार डबवाली, जिला सिरसा एवं संयुक्त सब रजिस्ट्रार, डबवाली।

विषय : मरणोपरान्त वसीयत जुबानी दिनांक 4-02-2024 अजाने मृतक हरबन्स कौर उर्फ कमलदीप कौर विधवा नरेन्द्रपाल सिंह निवासी गांव राजोवाला, तहसील वा जिला फरीदकोट, वा पुत्री करनैल सिंह पुत्र नरेन्द्र सिंह वासी गांव हैबुआना, तहसील डबवाली, जिला सिरसा, को रजिस्टर्ड करने बारे।

... यादी

असीस कौर नाबालिग पुत्री जगदीप सिंह पुत्र बलदेव सिंह बजरिये हकीकी पिता जगदीप सिंह पुत्र बलदेव सिंह बतौर बली नाबालिग, वासी गांव है बुआना, तहसील डबवाली, जिला सिरसा ने मृतक हरबन्स कौर उर्फ कमलदीप कौर विधवा नरेन्द्रपाल सिंह निवासी गांव राजोवाला, तहसील वा जिला फरीदकोट, वा पुत्री करनैल सिंह पुत्र नरेन्द्र सिंह वासी गांव हैबुआना, तहसील डबवाली, जिला सिरसा की जुबानी वसीयत पेश की है, जो कि असीस कौर नाबालिग पुत्री जगदीप सिंह पुत्र बलदेव सिंह वासी गांव हैबुआना, तहसील डबवाली, जिला सिरसा, के हक में है, वसीयत करदा की दिनांक 6-06-2024 को मृत्यु हो चुकी है। इस नोटिस के द्वारा हर आम वा खास को सूचित किया जाता है कि अगर किसी व्यक्ति को उक्त वसीयत रजिस्टर्ड करने बारे कोई एतराज हो तो वह मेरे कार्यालय में प्रकाशन के 30 दिन के अन्दर-अन्दर यानि 01/08/2025 तक असालतन या वकालतन पेश होकर एतराज पेश करे अन्यथा मियाद गुजरने के बाद कोई एतराज नही सुना जायेगा, और जुबानी वसीयत रजिस्टर्ड कर दी जायेगी।

आज दिनांक 02/07/2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा इस न्यायलय के मुद्राक सहित ये नोटिस जारी हुआ है।

हस्ता/- संयुक्त सब रजिस्ट्रार
डबवाली (सिरसा)

खबर संक्षेप

मादक पदार्थों से संबंधित अपराध की दें सूचना

सिरसा। केंद्र सरकार द्वारा नेशनल नारकोटिक्स हेल्पलाइन पोर्टल-मानस, हेल्पलाइन नंबर 1933 की शुरुआत की गई है। इस पोर्टल का मुख्य उद्देश्य जागरूकता बढ़ाना, मादक पदार्थों से संबंधित अपराध की रिपोर्ट करना और पुनर्वास-परामर्श के संबंध में सहायता प्राप्त करने के लिए मंच मुहैया कराना है। यह पोर्टल आमजन को मादक पदार्थों से संबंधित गतिविधियों के प्रभाव को रोकने के व्यापक कोशिश में सामूहिक रूप से योगदान देता है। मानस पोर्टल का मुख्य उद्देश्य जन-जागरूकता को बढ़ावा देना, मादक पदार्थों से संबंधित अपराधों की जानकारी साझा करना है।

राशन कार्ड धारक पांच तक करवाएं ई-केवाईसी

सिरसा। जिला के जन वितरण प्रणाली के तहत लाभ प्राप्त करने वाले सभी राशन कार्ड लाभार्थियों की ई-केवाईसी अनिवार्य है। इसके लिए अंतिम तिथि 5 अगस्त निर्धारित की गई है। जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक मुकेश कुमार ने बताया कि ई-केवाईसी पूर्ण न होने की स्थिति में लाभार्थियों को राशन नहीं मिलेगा। इसलिए सभी लाभार्थी समय पर अपनी ई-केवाईसी पूरी करवाकर राशन वितरण में किसी प्रकार की परेशानी से बचें। उन्होंने बताया कि ई-केवाईसी प्रक्रिया दो तरीकों से की जा सकती है।

सीएमके कॉलेज में लगाए 200 पौधे

सिरसा। सीएमके नेशनल स्नातकोत्तर महाविद्यालय की एनएसएस इकाइयों एवं एनसीसी द्वारा पर्यावरण संरक्षण और मातृत्व सम्मान को समर्पित एक विशेष कार्यक्रम एक पेड़ मां के नाम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कॉलेज प्रांगण में 200 पौधों का रोपण किया गया।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए 4 खिलाड़ी चयनित

सिरसा। राज्य स्तरीय बैडमिंटन चैंपियनशिप के लिए जिला स्तरीय बैडमिंटन ट्रायल द सिरसा स्कूल में आयोजित किए गए। बैडमिंटन कोच दीपेश ठक्कर ने बताया कि इस ट्रायल प्रतियोगिता में करीब 100 बच्चों ने प्रतिभागिता की। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए लड़के व लड़कियों के अलग-अलग आयु वर्गों में 4-4 खिलाड़ियों का चयन किया जाना था। इसमें द सिरसा स्कूल के चार बच्चों ने क्वालीफाई किया।

खाद की कालाबाजारी के विरोध में किसानों ने डीसी कार्यालय पर किया प्रदर्शन

डीएपी और यूरिया के नाम पर किसानों को लूटने वालों पर कार्रवाई करे सरकार : रविन्द्र सिंह

किसानों ने सरकार और जिला प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और कालाबाजारी करने वालों को शह देने का आरोप लगाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

डीएपी व यूरिया खाद की कालाबाजारी करने वालों पर सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर किसानों ने सोमवार को पगड़ी संभाल जट्टा किसान संघर्ष समिति के आह्वान पर डीसी कार्यालय के बाहर रोष प्रदर्शन किया। इस दौरान किसानों ने प्रदेश सरकार और जिला प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और कालाबाजारी करने वालों को शह देने का आरोप लगाया। प्रदर्शन का नेतृत्व किसान नेता रविन्द्र सिंह हिजरावां खुर्द ने की। इसके बाद किसान संघर्ष समिति ने एसडीएम को मुख्यमंत्री के नाम मांग पत्र सौंपकर इन समस्याओं का जल्द समाधान करने की मांग की। किसानों को संबोधित करते हुए रविन्द्र सिंह हिजरावां खुर्द ने कहा कि स्वयं को किसान हितैषी होने का दावा करने वाली प्रदेश की भाजपा सरकार हाथ पर हाथ रखकर बैठी हुई है। न तो सरकार खाद की कालाबाजारी रोक पा रही है और न ही खाद की कमी को दूर कर पाई है। व्यापारी मनमानी कर रहे हैं और डीएपी और यूरिया देने के नाम पर दूसरी वस्तुएं जबरदस्ती थोंपकर किसानों को लूटा जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों पगड़ी संभाल जट्टा किसान संघर्ष समिति ने जिलेभर में कृषि अधिकारियों को साथ लेकर दुकानदारों के गोदामों को चैक किया तो काफी मात्रा में डीएपी और यूरिया का स्टॉक पाया लेकिन यह खाद किसानों को दी नहीं जा रही। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर सरकार व जिला प्रशासन ने डीएपी व यूरिया की कालाबाजारी करने वालों पर कार्रवाई नहीं की तो किसान आंदोलन को तेज करेंगे। मांग पत्र में पगड़ी संभाल जट्टा किसान संघर्ष समिति ने मांग की कि डीएपी व यूरिया खाद की कालाबाजारी पर रोक लगाई जाए और इसकी उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। बिजली के बढ़े हुए रेट वापस लिए जाएं और स्मार्ट मीटर लगाने पर रोक लगाई जाए। नहरों में दो सप्ताह पानी छोड़ा जाए। ज्यादा बारिश के कारण खेतों में खड़े पानी की तुरंत निकासी हो और खराब फसलों का किसानों को 50 हजार रुपये प्रति एकड़ मुआवजा दिया जाए। एचटी लाइनों भिवानी, हिसार, यमुनानगर, झज्जर, सोनीपत सहित पूरे प्रदेश में किसानों को उचित मुआवजा दिया जाए। नई खेती नीति रद्द कर कारपोरेट की लूट को बंद किया जाए। मेवात, झज्जर व अन्य जिलों में चल रहे किसान आंदोलनों की मांगों को पूरा करे और प्रदेश में बढ़ रही गुण्डागर्दी व नशाखोरी पर रोक लगाई जाए। एमएसपी गारंटी दी जाए और किसान-मजदूरों को कर्जमुक्त किया जाए। भ्रष्टाचार पर रोक लगाई जाए और किसानों को ट्यूब्वैल कनैक्शन बिना देरी जारी किए जाएं। इस अवसर पर करमजीत सिंह सालमखेड़ा, लवी बाठ, अमन बाठ, गुरप्रीत सिंह, पवन डूडी, मलकीत उप्पल, सुरेश गढ़वाल, छबीलदास, जगदीप सिंह सहित काफी संख्या में किसान मौजूद रहे।

फतेहाबाद। एसडीएम को सीएम के नाम मांग पत्र सौंपते पगड़ी संभाल जट्टा किसान संघर्ष समिति से जुड़े किसान।

कालाबाजारी के आरोपों के बाद कृषि अधिकारी उतरे फिल्ड में, दो दुकानदार दुकानें बंद हुए फरार, दुकानें सील

फतेहाबाद। किसानों द्वारा खाद की कालाबाजारी के लगाए गए आरोपों के बाद सोमवार को कृषि एवं किसान कल्याण विभाग हरियाणा के संयुक्त निदेशक (कपास) डॉ. राम प्रताप सिहाग की अध्यक्षता में उप कृषि निदेशक डॉ. राजेश सिहाग, गुण नियंत्रण निरीक्षण व उप मंडल कृषि अधिकारी की संयुक्त टीम द्वारा जिला फतेहाबाद की विभिन्न मंडियों में खाद, कीटनाशक व बीज विक्रेता फर्मों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सभी फर्मों के रिकॉर्ड की जांच की गई तथा पीओएस मशीन व फर्म में उपलब्ध खाद का मिलान किया गया। निरीक्षण के दौरान मौके पर दो फर्म किसान एग्रीकल्चर स्टोर व गुरू कृपा पेस्टीसाइड के मालिकों ने अपनी दुकानें बंद करके चले गए जिस कारण उक्त दुकानें सील कर दी गई है। जिन पर नियमानुसार आगामी कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। निरीक्षण के दौरान गुणवत्ता जांच हेतु खाद व कीटनाशक के नमूने लिए गए व सभी खाद विक्रेताओं को दिशा-निर्देश दिए गए कि वे पीओएस मशीन के माध्यम से ही नियमानुसार खाद का वितरण करें। कृषि उप निदेशक डॉ. राजेश सिहाग ने बताया कि जिला में खरीफ फसलों की बिजाई की कार्य चल रहा है। ऐसे में किसानों को खाद की आवश्यकता होती है। जिला में अब तक 9075 एमटी डीएपी, 68436 एमटी यूरिया, 2404 एमटी एमओपी, 4138 एमटी एनकेपी व 8126 एमटी एसएसपी खाद प्राप्त हो चुकी है व किसानों को उनकी मांग अनुसार उपलब्ध करवाई जा रही है। जिला में खाद की कोई कमी नहीं हैं। किसानों को जागरूक किया जा रहा है कि वे डीएपी खाद के विकल्प के तौर पर एनपीके व टीएसपी/एसएसपी का प्रयोग भी कर सकते हैं। जिला में पिछली साल खरीफ 2024 की तुलना में इस साल खरीफ फसलों की अभी तक लगभग 95 प्रतिशत क्षेत्र में बिजाई का कार्य पूर्ण हो चुका है।

खाद की कालाबाजारी के विरोध में किसानों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

कालांवाली। डीएपी व यूरिया खाद की कालाबाजारी करने वालों पर सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर सोमवार को किसानों ने पगड़ी संभाल जट्टा किसान संघर्ष समिति के आह्वान पर कालांवाली में एसडीएम कार्यालय रोष रोष जताया और एसडीएम को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। किसानों ने प्रदेश सरकार और जिला प्रशासन के खिलाफ रोष जाहिर करते हुए कालाबाजारी करने वालों को शह देने का आरोप लगाया। किसानों ने कहा कि वे खाद के लिए दर-दर भटक रहे हैं और लंबी लाइनों में लगने को मजबूर हैं, लेकिन फिर भी खाद नहीं मिल पा रही है। समय पर खाद न मिलने से फसलों के उत्पादन में असर पड़ेगा, जिससे उन्हें दोहरी मार झेलनी पड़ेगी। किसान संघर्ष समिति ने एसडीएम कार्यालय में अधिकारियों को मुख्यमंत्री के नाम मांग पत्र सौंपकर इन समस्याओं का जल्द समाधान करने की मांग की। किसानों ने कहा कि स्वयं को किसान हितैषी होने का दावा करने वाली प्रदेश की भाजपा सरकार हाथ पर हाथ रखकर बैठी हुई है। न तो सरकार खाद की कालाबाजारी रोक पा रही है और न ही खाद की कमी को दूर कर पाई है। व्यापारी मनमानी कर रहे हैं और डीएपी और यूरिया देने के नाम पर दूसरी वस्तुएं जबरदस्ती थोंपकर किसानों को लूटा जा रहा है। मांग पत्र में किसानों ने कहा है कि डीएपी व यूरिया खाद की कालाबाजारी पर रोक लगाई जाए और इसकी उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। बिजली के बढ़े हुए रेट वापस लिए जाएं और स्मार्ट मीटर लगाने पर रोक लगाई जाए। नहरों में दो सप्ताह पानी छोड़ा जाए।

अच्छी पहल: फतेहाबाद पुलिस ने गुम हुए 13 स्मार्टफोन ढूंढे, लाखों रुपये की संपत्ति पहुंचाई असली मालिकों तक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद पुलिस की साइबर सेल ने एक बार फिर तकनीकी दक्षता, त्वरित कार्रवाई और जनसेवा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। गुम हुए मोबाइल फोनों को खोजकर उनके वास्तविक मालिकों को लौटाना न केवल तकनीकी सफलता का प्रतीक है, बल्कि आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास और भरोसे को और अधिक सुदृढ़ करने वाला कदम भी है। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन के पदभार ग्रहण करने के बाद से अब तक 130 गुमशुदा मोबाइल फोन, जिनकी अनुमानित कीमत लाखों रुपये है, उनके असली मालिकों को वापस किए जा चुके हैं। सोमवार को आयोजित कार्यक्रम के दौरान 13 स्मार्टफोन, जिनकी कुल अनुमानित कीमत 9 लाख है, संबंधित मालिकों को विधिसम्मत रूप से सौंपे गए। प्रभारी निरीक्षक राहुल कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने प्राप्त शिकायतों और संबंधित आईएमईआई नंबरों के आधार पर तकनीकी संसाधनों का उपयोग करते हुए मोबाइल फोन ट्रेस किए। लोकेशन की पुष्टि होने पर संबंधित नागरिकों से संपर्क कर नियमानुसार प्रक्रिया के तहत मोबाइल लौटाए गए। एसपी सिद्धांत जैन ने मोबाइल फोन उनके वास्तविक मालिकों को सौंपे। मोबाइल वापस पाकर नागरिकों के चेहरों पर संतोष, आभार और विश्वास की स्पष्ट झलक देखने को मिली। मोबाइल प्राप्त करने वाले नागरिकों में अभिषेक निवासी नोखा, बीकानेर (राजस्थान), बिंदर सिंह निवासी मौला पट्टी, संगरूर पंजाब, दलवीर निवासी गांव जांडवाला सोत्तर, सुरेश सनियाना, प्रवीण कुमार हिसार, जगजीत सिंह टोहाना, अनिल कुमार निवासी वार्ड 10, फतेहाबाद, गुरबचन सिंह हिजरावां कलां, जसवीर कुमार दरियापुर, जयवीर गोरखपुर, मनजीत सिंह महमड़ा, हरप्रीत सिंह सरदारेवाला तथा शैलेंद्र निवासी- सेक्टर-14, चंडीगढ़ शामिल हैं। एसपी सिद्धांत जैन ने कहा कि हमारा प्रयास है कि हर शिकायत को पूरी पारदर्शिता, संवेदनशीलता और गंभीरता से निपटाया जाए।

फतेहाबाद। लोगों को उनके गुम हुए मोबाइल फोन लौटाते एसपी सिद्धांत जैन

सामाजिक संस्था पूर्ण सोसायटी ने बांटे 300 से अधिक पौधे और कांवड़ियों के लिए लगाया शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

सामाजिक संस्था पूर्ण सोसायटी द्वारा प्रधान सन्नी बंसल के नेतृत्व में विशाल शिविर लगाकर पौधा वितरण महाअभियान एवं कांवडियों की सेवा का प्रकल्प चलाया। भूना मोड पर निरंकारी भवन के पास आयोजित शिविर में मुख्यातिथि के रूप में भाजपा प्रवीण जोड़ा ने भाग लिया। उनके साथ बीजेपी नेता जगदीश शर्मा, एडवोकेट भारत भूषण गर्ग, शम्मी ढींगड़ा, रामकुमार मेहरा, विकास शर्मा, जिला परिषद चेयरमैन प्रतिनिधि सुभाष खिचड़, कंवल चौधरी, मनजीत शर्मा, पवन सिंह व तरुण मैहता भी मौजूद रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर परिषद की वाईस चेयरपर्सन सविता टुटेजा, गांव बरसीन से बालिका सरपंच स्तुति कम्बोज, बिट्टू कम्बोज, जिला कष्ट निवारण समिति के सदस्य एवं पार्षद जगदीश नायक, सुल्तान नायक, पूर्व नगर पार्षद नेहा मित्तल, प्रो. संध्या अग्रवाल, पार्षद किरण नारंग, मनोज नारंग, पार्षद निर्मल सिवाच, सुरेन्द्र नायक ने शिरकत की। इस कैम्प में करीब 300 फलदार, फूलदार व छायादार वृक्ष वितरित किए। आमजन ने भी पौधा लेने व लगाने में खूब उत्साह दिखाया। दूसरी ओर पूर्ण सोसायटी द्वारा इस शिविर में कांवडियों के लिए फ्री मैडिकल कैम्प, विश्राम और जल-फल सेवा की व्यवस्था भी की गई, जिसमें सैंकड़ों कांवडियों की सेवा की गई।

फतेहाबाद। लोगों को पौधे वितरित करते पूर्ण सोसायटी के सदस्य व अतिथिगण।

ऑल इंडिया सैनिक स्कूल नेशनल गेम्स में सैनिक स्कूल खारा खेड़ी ने जीती ओवरऑल चैम्पियन्स ट्रॉफी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

ऑल इंडिया सैनिक स्कूल नेशनल गेम्स ग्रुप ए का आयोजन सैनिक स्कूल कपूरथला में किया गया। इसमें सात सैनिक स्कूलों ने हिस्सा लिया जिनमें चार पुराने सैनिक स्कूल कुंजपुरा, कपूरथला, नगरोटा एवं सुजानपुर टीरा और तीन नए सैनिक स्कूल खारा खेड़ी, नाभा एवं नालागढ़ शामिल थे। इन खेलों में एथलेटिक्स, वॉलीबॉल और बास्केटबॉल के जूनियर एवं सब जूनियर लडक़े एवं लड़कियों के मुकाबले हुए। इनके अतिरिक्त सभी प्रतिभागियों को अपने स्कूल की तरफ से एक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत करना था जिसके लिए एक अलग ट्रॉफी की व्यवस्था की गई थी। इन खेलों में कुल 7 प्रतियोगिताओं की चैंपियनशिप थी जिसमें से सैनिक स्कूल खारा खेड़ी, फतेहाबाद ने 6 प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त करके जीत हासिल की। सैनिक स्कूल खारा खेड़ी के कैडेट्स ने एथलेटिक्स गर्ल्स, एथलेटिक्स बॉयज, वॉलीबॉल बॉयज, बास्केटबॉल गर्ल्स, सांस्कृतिक एवं ओवरऑल चैंपियनशिप की कुल 6 ट्रॉफियों पर कब्जा किया। एथलेटिक्स में कुल 18 इवेंट्स हुए, जिनमें से सैनिक स्कूल खारा खेड़ी के कैडेट्स ने 17 इवेंट्स में पदक जीते। इन 17 पदकों में 10 स्वर्ण, 04 रजत एवं 03 कांस्य पदक शामिल है।

फतेहाबाद। नेशनल गेम्स में विजेता सैनिक स्कूल खारा खेड़ी के खिलाड़ी।

अग्रवाल समाज का चुनाव 3 को

प्रधान पद के लिए वेद मंगल और मनोज बड़ोपलिया के बीच मुकाबला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

अग्रवाल समाज फतेहाबाद की चुनाव प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। समाज के विभिन्न पदों के लिए 3 अगस्त को मतदान होगा। प्रधान, वरिष्ठ उपप्रधान, उपप्रधान, सचिव, सहसचिव व कैशियर पद के लिए अग्रवाल धर्मशाला में 16 लोगों ने अपने नामांकन भरे हैं। इन नामांकन पत्रों की 25 जुलाई को जांच होगी और उसके बाद चुनाव चिन्ह आबंटित किए जाएंगे। इसके बाद 3 अगस्त को अग्रवाल धर्मशाला में प्रातः 10 बजे से शाम 4 बजे तक वोटिंग होगी। वोटिंग के बाद गिनती कर चुनाव परिणाम घोषित किया जाएगा। अग्रवाल समाज के चुनाव को लेकर अनिल मित्तल व एडवोकेट राकेश गर्ग को चुनाव अधिकारी बनाया गया है। एडवोकेट राकेश गर्ग ने बताया कि सभा के 590 रजिस्टर्ड मेम्बर हैं, जो 3 अगस्त को वोट डालेंगे।

फतेहाबाद। अग्रवाल समाज के सहसचिव पद के लिए अपना नामांकन भरते अनिल गोयल। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा एजुकेशन मिनिस्ट्रियल स्टाफ एसोसिएशन की बैठक, 22 से बीईओ कार्यालय पर होंगे प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

हरियाणा एजुकेशन मिनिस्ट्रियल स्टाफ एसोसिएशन जिला फतेहाबाद कार्यकारिणी की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला प्रधान पूर्ण सिंह कम्बोज ने की। बैठक में सरकार की शिक्षा विरोधी नीतियों को लेकर चर्चा की गई और खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर 22 से 24 जुलाई तक प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए जिला प्रधान पूर्ण कम्बोज, हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ के आडिटर सुरजीत दुसाद व फतेहाबाद प्रधान राजपाल मित्ताथल ने कहा कि हरियाणा सरकार व शिक्षा विभाग ने हरियाणा न्यू एजूकेशन पॉलिसी 2020 के अनुसार वर्ष 2022 में 183 लड़कियों के स्कूल बंद किए थे और 4801 अन्य स्कूलों को मर्ज/बंद करने का प्रयास किया था, लेकिन शिक्षा विभाग तालमेल कमेटी हरियाणा के धरनों /प्रदर्शनों एकबार तो रोक लगा दी थी। अब तीन वर्ष बाद सरकार पुनः लगभग 5000 स्कूलों को बंद करने की योजना बना रही है, जिसकी शुरुआत एसएमसी कमेटियों के विलय से की जा रही है।

फतेहाबाद। बैठक में चर्चा करते हरियाणा एजुकेशन मिनिस्ट्रियल स्टाफ एसोसिएशन के पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

बीपीएल व एएवाई राशन कार्डधारकों को 5 अगस्त तक करवाना होगा ई-केवाईसी

फतेहाबाद। हरियाणा सरकार के आदेशानुसार सभी बीपीएल, एएवाई राशन कार्ड धारकों की ई-केवाईसी की जानी है ताकि भविष्य में सरकार की योजनाओं का लाभ लिया जा सके, जिसके लिए सरकार द्वारा सभी बीपीएल, एएवाई लाभार्थियों की ई-केवाईसी करने के लिए मेरा ई-केवाईसी मोबाइल एप्लीकेशन लॉच की गई है। उपायुक्त मनदीप कौर ने बताया कि इस मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से सभी बीपीएल, एएवाई राशन कार्ड धारक अपने मोबाइल पर ही ई-केवाईसी कर सकते है। उन्होंने बीपीएल, एएवाई राशन कार्डधारको से अपील करते हुए कहा कि वे जल्द से जल्द मेरा ई-केवाईसी मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से ई-केवाईसी करवाना सुनिश्चत करें ताकि भविष्य में किसी भी लाभार्थी को राशन लेने में किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पडें। इसके अलावा सभी पात्र लाभार्थी अपने नजदीक लगते डिपूधारक के पास जाकर भी 5 अगस्त तक अपनी ई-केवाईसी करवा सकते हैं।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 8814999173, 9253681005

बेटियों के जन्मदिन को सरकारी स्तर पर मनाने से लिंगानुपात में आएगा सुधार

फतेहाबाद। पूर्व संसदीय सचिव दुड़ाराम ने हरियाणा सरकार की उस महत्वपूर्ण घोषणा का स्वागत किया है, जिसमें बेटियों के जन्म पर सरकारी स्तर पर जश्न मनाने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि यह कदम हरियाणा के सामाजिक ताने-बाने में सकारात्मक बदलाव लाने वाला है और इससे लिंगानुपात में सुधार के साथ-साथ बेटियों और माताओं को सम्मान मिलेगा। पूर्व विधायक दुड़ाराम ने कहा कि प्रदेश सरकार की इस योजना के तहत अब बेटियों के जन्म के मौके पर गोद भराई और कुआं पूजन जैसे पारंपरिक आयोजनों को भी सरकारी संरक्षण मिलेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी इस योजना को लेकर गंभीर हैं।

स्कूल मैनेजमेंट, कभी समाधान शिविर में गिड़गिड़ाने को मजबूर

निजी स्कूल की मनमानी के चलते सर्टिफिकेट में नाम ठीक करवाने के लिए समाधान शिविर तक ठोकरें खा रहा है छात्र

हरिभूमि न्यूज. फतेहाबाद

एक निजी स्कूल की मनमानी के चलते गांव जाण्डली कलां का 10वीं का छात्र अपनी मॉर्कशीट में अपना नाम सही करवाने के लिए दर-दर की ठोकरें खा रहा है। यह छात्र कभी स्कूल मैनेजमेंट, कभी पंचायत तो अब समाधान शिविर में अधिकारियों के सामने गिड़गिड़ाने को मजबूर है। दरअसल इस छात्र ने 11वीं पास करने के बाद 12वीं में सरकारी स्कूल में दाखिला ले लिया था, जिस वजह से निजी स्कूल के संचालक इस छात्र से खफा थे। गांव गोरखपुर निवासी हिमांशु पुत्र अशोक कुमार गांव जांडली कलां के एक निजी स्कूल में पढ़ता था। उसके पिता का नाम दस्तावेज में अशोक कुमार व माता का नाम नीलम देवी है। स्कूल मैनेजमेंट ने उसका दसवीं का फार्म भरते समय उसके पिता का नाम मिस्टर अशोक कुमार और माता का नाम मिसेज नीलम देवी लिख दिया। ऐसे में उसके सर्टिफिकेट में भी यही नाम लिखे आए। अब उसके अन्य दस्तावेजों में नाम अशोक कुमार व नीलम देवी है, जिस कारण उसको हर जगह दिक्कत आती है। हिमांशु ने आज समाधान शिविर में दी शिकायत में एडीसी व एसडीएम को बताया कि स्कूल प्रशासन उससे रंजिश रखे हुए हैं और उसका सर्टिफिकेट ठीक करवाकर नहीं दे रहा। समाधान शिविर में तो इसकी जांच उप जिला शिक्षा अधिकारी को सौंप दी गई लेकिन हिमांशु ने बताया कि स्कूल की प्राचार्या व डायरेक्टर इस मामले में उसका सर्टिफिकेट ठीक करवाने की बजाय उसे परेशान कर रहे हैं। इस बारे स्कूल के डायरेक्टर अजीत से बात की गई तो उन्होंने कहा कि स्कूल ने भिवानी बोर्ड में दो बार क्लर्क को भेजा था। भिवानी बोर्ड ने हिमांशु के फैमिली दस्तावेजों के आधार पर माता के नाम के आगे उर्फ लगाने की बात कही जिसे हिमांशु के परिजन मना कर गए। बाद में भिवानी बोर्ड ने हिमांशु का बर्थ सर्टिफिकेट मांगा लेकिन हिमांशु के अभिभावकों ने यह नहीं दिया। अजीत ने कहा कि अगर दस्तावेज पूरे कर दिए जाए तो वह अब भी स्कूल स्टाफ को भिवानी भेजने को तैयार हैं। अजीत ने कहा कि हमने दो बार भिवानी चक्कर काटने के अलावा बीईओ ऑफिस में कागजात भी जमा करवा दिए हैं।

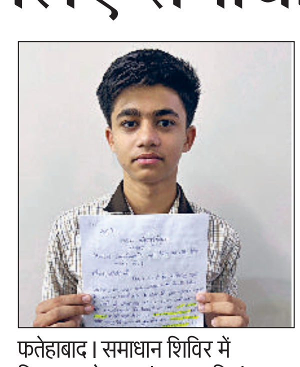

फतेहाबाद। समाधान शिविर में शिकायत लेकर पहुंचा छात्र हिमांशु।